RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, बुधवार
11.3.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 139
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

केवल मीडिया पब्लिसिटी के लिए जनहित याचिकाएं दायर न करें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निकाय संबंधी कथित लापरवाही के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग वाली एक याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया और युवा अधिवक्ताओं को केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से जनहित याचिकाएं दायर करने के प्रति आगाह किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक युवा वकील को सलाह देते हुए कहा कि वकालत के शुरुआती वर्षों में उन्हें कानूनी बारीकियों को समझने, अदालती कार्यवाही को करीब से देखने और मसौदा (ड्राफ्टिंग) तैयार करने के कौशल सीखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग इस पेशे में गंभीरता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय मीडिया या सोशल मीडिया पर छाने की होड़ से दूर रहना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि दफ्तरों में काम करने और कानून सीखने के बजाय निराधार याचिकाएं

तैयार करना पेशेवर भविष्य के लिए ठीक नहीं है। पीठ ने याचिका को अस्पष्ट और व्यापक दावों से भरी हुई करार देते हुए कहा कि इसमें ऐसे निर्देश मांगे गए हैं जिनका व्यावहारिक रूप से पालन करना अत्यंत कठिन है, इसलिए इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। सुनवाई के दौरान जब सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रखरखाव में विफलता से होने वाली मौतों का मुद्दा उठा, तो पीठ ने याचिकाकर्ता की वकील से पूछा कि उन्होंने इस विशिष्ट मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। इस पर वकील ने तर्क दिया कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। वकील के वकालत के अनुभव (चार वर्ष) की जानकारी मिलने पर प्रधान न्यायाधीश ने जोर देकर कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समय बिताना चाहिए, न कि केवल प्रचार पाने के लिए अदालत का समय नष्ट करना चाहिए। इसी कड़ी में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक ही वकील द्वारा दायर पांच अन्य याचिकाओं को भी निरर्थक बताते हुए खारिज कर दिया।

कोविड-19 वैक्सीन के गंभीर दुष्प्रभाव के मामलों में बने नो-फॉल्ट कंपंसेशन नीति

नई दिल्ली। कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति को गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं, तो ऐसे मामलों में राहत देने के लिए नो-फॉल्ट कंपंसेशन सिस्टम तैयार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जरिए लागू की जानी चाहिए। कोर्ट के मुताबिक इस नीति का उद्देश्य उन लोगों को मदद देना है, जिन्हें टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने साफ किया कि इस नई नीति

में ऐसे मामलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होना चाहिए, जहां वैक्सीन लेने के बाद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हों। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए जो मौजूदा तंत्र पहले से काम कर रहा है, वह आगे भी जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस निगरानी प्रणाली से जुड़ा प्रासंगिक डेटा समय-समय पर सार्वजनिक किया जा सकता है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिलती रहे और पारदर्शिता बनी रहे। कोर्ट ने वैज्ञानिक आकलन से जुड़े मुद्दे पर भी टिप्पणी की। रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि टीकाकरण से संबंधित मामलों की जांच और मूल्यांकन के लिए पहले से ही कई वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसलिए इस विषय में अलग से कोर्ट द्वारा किसी नई विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की जरुरत नहीं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि नो-फॉल्ट कंपनसेशन फ्रेमवर्क तैयार करने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि केंद्र सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण ने अपनी कोई जिम्मेदारी या गलती स्वीकार की है।

रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना के लिए 'मिलिट्री विजन डॉक्यूमेंट' रोडमैप जारी किया

भविष्य की युद्ध चुनौतियों के लिए सेना को आधुनिक, इंटीग्रेटेड और तकनीक से लैस करने पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को साउथ ब्लॉक में भारतीय सेना के लिए 'डिफेंस फोर्सेज विजन' रोडमैप जारी किया। यह बड़ा ब्लूप्रिंट हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ ने रक्षा बलों को आधुनिक, इंटीग्रेटेड और तकनीक से लैस सेना में बदलने के लिए तैयार किया है, जो 2047 तक भारत के विकसित देश बनने के सपने को पूरा करने में मदद कर सके। यह डॉक्यूमेंट भविष्य की युद्ध चुनौतियों के लिए ढलने वाली सेना बनाने के लिए इनोवेशन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और मॉडर्न ट्रेनिंग फ्रेमवर्क के महत्व पर भी जोर देता है। इस विजन डॉक्यूमेंट में सशस्त्र बलों में जरूरी सामरिक सुधारों, क्षमता बढ़ाने और संगठनात्मक बदलावों के बारे में बताया गया है, ताकि बदलते भू-रणनीतिक, तकनीकी और सुरक्षा माहौल से अच्छे से निपटा जा सके। इसमें सेना को एक इंटीग्रेटेड, मल्टी-डोमेन और फुर्तीली फोर्स में बदलने की सोची गई है, जो दुश्मनों को रोकने, हर तरह के झगड़े में जवाब देने और तेजी से बदलते ग्लोबल और रीजनल हालात के बीच बढ़ते स्ट्रेटेजिक हितों की रक्षा करने में काबिल हो। इस विजन का एक मुख्य हिस्सा सेनाओं के बीच तालमेल

और तालमेल पर जोर देना है, जिससे प्लानिंग, ऑपरेशन और क्षमता विकास में ज़्यादा तालमेल को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस विजन में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो देश की खास सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से स्वदेशी तकनीक और समाधान अपनाने को बढ़ावा देता है। घरेलू रक्षा विनिर्माण और प्रौद्योगिकी क्षमताओं को मजबूत करने से ऑपरेशनल तैयारी बढ़ने और देश की ग्रोथ में योगदान देने की उम्मीद है। विजन डॉक्यूमेंट में शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म टाइमलाइन में साफ तौर पर प्राथमिकता वाले क्षमता लक्ष्यों के साथ एक कैलिब्रेटेड रोडमैप अपनाया गया है। यह विश्व स्तरीय डिफेंस फोर्स बनाने के लिए जरूरी सैन्य क्षमताओं, संस्थागत सुधारों और रणनीतिक साझेदारी के विकास में सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों की जटिलता को पहचानते हुए यह विजन डॉक्यूमेंट पूरे देश के नजरिए की जरूरत पर जोर देता है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा पक्की करने के लिए सैन्य ताकत को कूटनीतिक, तकनीकी और आर्थिक ताकत के साथ जोड़ा जाएगा। लगातार सुधारों, इनोवेशन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के जरिए इसका मकसद यह पक्का करना है कि भारत की आजादी की सौवीं सालगिरह तक देश की सेना दुनिया भर में सम्मानित, टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड और लड़ाई के लिए तैयार मिलिट्री के तौर पर खड़ी हो, जो मजबूत विकसित भारत में योगदान दे। इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींवः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है। जटिल वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने, सीमाओं के पार अवैध वित्तीय प्रवाह का पता लगाने और जटिल कॉरपोरेट संरचनाओं को समझने की क्षमता आईआरएस अधिकारियों को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्र का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाती है। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे अपने आचरण और निर्णयों में विवेक बरतें। एक विवेकपूर्ण अधिकारी प्रवर्तन और सुविधा, अधिकार और विनम्रता तथा तकनीकी क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद अब कांग्रेस

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी ऐसा ही प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। विपक्षी पार्टियों के दो सीनियर नेताओं ने सोमवार को इसके संकेत दिए। जानकारी के मुताबिक ओम बिरला के अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे के बाद विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाने पर विचार कर रहा है। अगर विपक्ष संसद में महाभियोग का नोटिस देता है, तो देश में पहली बार होगा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर कांग्रेस नेता ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एसआईआर के विरोध में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत हुई है और सभी पार्टियां अलग-अलग राज्यों में वोटर रोल के चल रहे एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बारी-बारी से होगा। बता दें मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर की जरुरत होती है। इसके बाद ही इससे जुड़े नोटिस को विचार के लिए स्वीकार किया जाता है। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और उनके कार्यों से संबंधित 2023 के कानून के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को उसके पद से केवल उसी प्रकार और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। राज्यसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही आवश्यक दस्तावेज और रिपोर्ट को सदन के पटल रखा गया। शून्यकाल में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कई राज्यों में चल रहे एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। खरगे ने इस प्रक्रिया को "फ्रॉड" बताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण देने और चर्चा कराने की मांग की। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी सुधारों पर पिछले सत्र में पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे मुद्दों को बार-बार उठाना उचित नहीं है। विपक्ष सदन के अंदर वास्तविक बहस नहीं चाहता और बार-बार हंगामा कर कार्यवाही बाधित करता है।

प्रधानमंत्री आज केरल, तमिलनाडु में 16 हजार करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केरल और तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इस दौरान वे एर्नाकुलम और तिरुचिरापल्ली में लगभग 16,450 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री 11 मार्च को दोपहर लगभग 1:30 बजे केरल के एर्नाकुलम में करीब 10,800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इसके बाद शाम करीब 5:45 बजे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री एर्नाकुलम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली पॉलीप्रोपाइलीन इकाई का शिलान्यास करेंगे। 400 किलो टन प्रति वर्ष क्षमता वाली यह इकाई पैकेजिंग, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों में उपयोग होने वाली सामग्री के घरेलू उत्पादन को मजबूत करेगी। सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के थलापडी-चेंगला खंड के छह लेन परियोजना और वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास के छह लेन परियोजना का उद्घाटन करेंगे। ये दोनों परियोजनाएं क्षेत्र में यातायात सुगमता, सड़क सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री केरल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत निर्मित 23 ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित षोरणूर जंक्शन, कुट्टिप्पुरम और चंगनाशेरी रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा षोरणूर-निलांबुर रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री पलक्कड़-पोल्लाच्चि के बीच नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे, जिससे केरल और तमिलनाडु के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इस सेवा से दोनों राज्यों के बीच रोज़ाना आने-जाने वाले यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और टूरिस्ट को फ़ायदा होगा। प्रधानमंत्री केरल के कोल्लम जिले के वेस्ट कल्लाडा में 50 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी।

हावड़ा में बेलूर मठ पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त...बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव होगा

हावड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विधानसभा चुनाव की समीक्षा करने के लिए इनदिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को सीईसी कुमार बेलूर मठ पहुंचे। हावड़ा में उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बिना किसी दबाव या हिंसा के सफलतापूर्वक चुनाव कराएगा। उन्होंने कहा कि पूज्यनीय रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जी की तपोभूमि बेलूर मठ आकर चुनाव आयोग फिर बंगाल के सभी मतदाताओं को बताना चाहता है कि बंगाल के चुनाव बिना किसी दबाव या हिंसा के कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके पहले ज्ञानेश कुमार के दक्षिणेश्वर काली मंदिर के दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता काले झंडे लेकर मंदिर के द्वार पर जमा हुए थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने दक्षिणेश्वर में प्रार्थना की और प्रदेश में चुनाव निष्पक्ष और सफलतापूर्वक करने के लिए देवी का आशीर्वाद मांगा। बता दें कि एक दिन पहले 9 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आगामी बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की थी।

मजदूर जीवन की त्रासदीः एक बाइक पर चार युवाओं की तेज रफ्तार कार से भिड़ंत में दुःखद मौत

कटनी/बड़वारा। मजदूर जीवन की मजबूरियों और यातायात नियमों की अनदेखी का दर्दनाक परिणाम सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर देखने को मिला। जगतपुर-उमरिया के समीप चपहनी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई भीषण टक्कर में बाइक सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक कटनी से उमरिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुर-उमरिया गांव के पास चपहनी मोड़ पर पहुंची, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार (क्रमांक एमपी-13-सीसी-4342) से उसकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए

और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई । मध्यरात्रि के सन्नाटे में हुई इस दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए लंबा जाम लग गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बड़वारा थाना पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बाइक सवार चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

जंग का भारत पर असरः गैस किल्लत रोकने के लिए सरकार ने संभाली कमान लगा दिया एस्मा

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार के साथ-साथ भारत की घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था को भी हिलाकर रख दिया है। सरकार ने एस्मा लागू करते हुए सभी तेल रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे एलपीजी के उत्पादन को अधिकतम स्तर पर ले जाएं। इसके साथ ही, अन्य हाइड्रोकार्बन स्रोतों को भी एलपीजी पूल की ओर मोड़ने के आदेश दिए गए हैं ताकि रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने में हो सके। एस्मा कानून लागू होने के बाद अब इन इकाइयों के लिए उत्पादन और आपूर्ति के मानकों का पालन करना अनिवार्य हो गया है, जिससे किसी भी प्रकार की हड़ताल या कार्य में बाधा डालने वाली गतिविधियों पर रोक लग जाएगी। गैस वितरण की प्राथमिकता तय करते हुए सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहली प्राथमिकता घरों में पाइप से पहुंचने वाली प्राकृतिक गैस और वाहनों के लिए इस्तेमाल होने वाली सीएनजी को दी जाएगी। इन दोनों क्षेत्रों को 100 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दूसरी प्राथमिकता उर्वरक (फर्टिलाइजर) संयंत्रों को दी गई है, जिन्हें उनके पिछले छह महीनों की औसत जरूरत का कम से कम 70 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार की इस मुस्तैदी का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन को युद्ध के

रिफाइनिंग क्षमता का पूरा उपयोग रसोई गैस बनाने के दिए निर्देश

दुष्प्रभावों से बचाना और देश की खाद्य सुरक्षा को सुरक्षित रखना है। बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत में पेट्रोलियम और गैस उत्पादों की किल्लत की आशंका गहरा गई है। इस आपातकालीन स्थिति से निपटने और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) और आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधान लागू कर दिए हैं।

कैबिनेट : जल जीवन मिशन को मिला विस्तार, सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिलेगा नल कनेक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतिरिक्त आवंटन और पुनर्गठित कार्यान्वयन शामिल है। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत दिसंबर 2028 तक देशभर के सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। जेजेएम का पुनर्गठन और पुनर्रचना बुनियादी ढांचे के निर्माण से हटकर सेवा वितरण पर केंद्रित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय

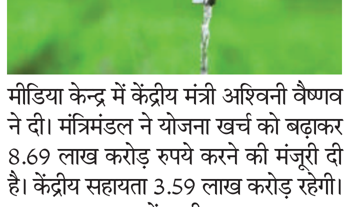

मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्रिमंडल ने योजना खर्च को बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। केंद्रीय सहायता 3.59 लाख करोड़ रहेगी। यह 2019-20 में स्वीकृत 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्री के अनुसार योजना का क्रियान्वयन ऐसे होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा एक समान राष्ट्रीय डिजिटल ढांचा 'सुजलम भारत' बनाया गया है। यह स्रोत से नल तक संपूर्ण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का डिजिटल मानचित्रण करेगा।

उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी। केन्द्र सरकार ने उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले 3,839 करोड़ रुपये के 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बदनवार-पेटलावाड़-थंदला-तिमारवानी खंड (एनएच-752डी) के 4-लेन निर्माण को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर तैयार किया जाएगा।

अपने पूरे परिवार के साथ पीएम मोदी से मिली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनका परिवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचा। इस दौरान वसुंधरा राजे के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। यह मुलाकात शिष्टाचार की रूप में देखी जा रही है, लेकिन मरुधार के राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। मुलाकात के दौरान विशेष ध्यान विनायक प्रताप सिंह पर गया, जो अपनी दादी की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की संभावनाओं के कारण चर्चा में हैं। विनायक ने 2023 में पहली बार मतदान किया था।

we will make your
Epaper & NEWS PORTAL
MAXIMUM PERFORMANCE
आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर
हम तैयार करते हैं:
✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
✔ News Portal (Making to News Uploading)
किसके लिए:
• मीडिया हाउस
• संस्थान व स्कूल
• लेखक व कवि
• कार्यक्रम आयोजक
• शोधकर्ता
• Web Journalists/Publishers
PDF PRESS SERVICES
✔✔ क्यों चुनें ?
• प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
• समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
• आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम
संपर्क करें आज ही
pdfpresssolutions@gmail.com
+91 9288319159, 9576159316

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

आठ माह से नहीं हुई पंचायत समिति बैठक, उपायुक्त से शिकायत

डुमरीः पंचायत समिति उप प्रमुख उपेन्द्र महतो ने उपायुक्त को पत्र सौंपकर डुमरी प्रखंड में पंचायत समिति की मासिक बैठक नियमित कराने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि प्रखंड में पिछले करीब आठ माह से पंचायत समिति की बैठक आयोजित नहीं की गई है, जिससे पंचायत समिति सदस्यों में नाराजगी और परेशानी बढ़ गई है। उपेन्द्र महतो ने आरोप लगाया कि डुमरी के प्रभारी बीडीओ द्वारा बैठक की तिथि निर्धारित नहीं की जा रही है। हर माह बैठक की संभावित तिथि तय कर बाद में उसे रद्द कर दिया जाता है, जिससे पंचायत समिति के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक नहीं होने के कारण पंचायत समिति मद से पंचायतों में होने वाले कई विकास कार्य भी लंबित पड़े हैं। पत्र में उपायुक्त से आग्रह किया गया है कि पंचायत समिति की बैठक जल्द से जल्द निर्धारित कराने की पहल की जाए, ताकि पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं का समाधान हो सके और विकास योजनाओं को गति मिल सके।

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के लाल बिल्डिंग चौक में कचरों का अंबार।

सरायकेला : लाल बिल्डिंग चौक से ऊषा मोड़ तक पिछले एक सप्ताह से कचरे का कोई उठाव नहीं हुआ है जिसके चलते आम पब्लिक आक्रोश में है आदित्यपुर नगर निगम की ओर से स्वच्छ शहर का ढिंढोरा पीटा जाता है पर जमीनी हकीकत कुछ और है।

स्थानीय सब्जी विक्रेता और दुकानदारों से बात चित करने पर पता चला कि पिछले एक सप्ताह से ना कोई सफाई कर्मी दिख रहे हैं और ना ही कोई कचरा उठाने वाला गाड़ी दिखाई देता है। ये कचरों का अंबार नहीं बल्कि बीमारी को निमंत्रण देने जैसा है बदबू के चलते सड़कों पर चलने वाले राहगीरों को नाक में कपड़ा बांध कर चलना पड़ रहा है जिसके चलते संक्रमण और बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। आम पब्लिक का कहना है नगर निगम समय पर टैक्स तो जरूर ले लेता है लेकिन साफ सफाई करने जब समय आता है तब नगर निगम सड़क पर कचरों का अंबार छोड़ देता है और सप्ताह भर कोई साफ सफाई नहीं होता है।

तालाब में मिला शव, जमीन विवाद में हत्या का खुलासा

डुमरीः डुमरी थाना क्षेत्र के ग्राम भरखर टोला घुटियागढ़ा में तालाब से बरामद शनिचर टुडू की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 06 मार्च 2026 को घुटियागढ़ा स्थित एक तालाब से शनिचर टुडू का शव बरामद हुआ था, जिसके बाद हत्या की आशंका के आधार पर जांच शुरू की गई। पुलिस ने मानवीय सूत्रों और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर मामले की जांच की, जिसमें पता चला कि मृतक शनिचर टुडू को संजय महतो, पिता जीतन महतो, ग्राम मंडमो टोला खेसर, थाना विष्णुगढ़ ने दारू पिलाने के बहाने घर से बुलाया था। दोनों के बीच पहले से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जांच में सामने आया कि शराब पीने के दौरान संजय महतो शनिचर टुडू को नहाने के बहाने घुटियागढ़ा के गहरे तालाब के पास ले गया और धक्का देकर पानी में डुबो दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी संजय महतो को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया है।

चांडिल पुनर्वास कार्यालय में दलाली और भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग

चांडिलः कोल्हान पुनर्वास कार्यालय संख्या–2 चांडिल और उससे जुड़े विभिन्न सरकारी कार्यालयों में पदस्थापित कुछ कर्मचारियों पर दलाली, फर्जीवाड़ा और आय से अधिक संपत्ति के आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग उठाई गई है। आरोप है कि इन कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के एक समूह ने लंबे समय से दलाली का नेटवर्क बनाकर विस्थापितों के कार्यों में अनियमितता और शोषण को बढ़ावा दिया है।

शिकायत में बताया गया है कि पुनर्वास कार्यालय संख्या–2 चांडिल के कर्मचारी उत्तम पांडे, शम्भू कालिंदी, लक्ष्मी महतो, नारायण गोप, जानिक महतो, सिदम महतो, बेचाराम सिंह मुंडा तथा भू-अर्जन कार्यालय आदित्यपुर के कर्मचारी बादल बनर्जी, अपर निदेशक कार्यालय आदित्यपुर जमशेदपुर के कर्मचारी प्रसेनजीत घोष, डैम डिविजन–2 चांडिल के कर्मचारी भीम घाटवाल, सोनू महतो और निवारण महतो सहित कई अन्य कर्मियों पर दलाली के माध्यम से विस्थापितों से अवैध वसूली करने के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा डिविजन सरायकेला के कर्मचारी किरिटी महतो, सुवर्णरेखा कार्यालय आदित्यपुर के कर्मचारी सुधीर महतो और डिविजन साकची जमशेदपुर के कर्मचारी ब्रज गोराई का नाम भी इस मामले में सामने आया है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुनर्वास कार्यालय संख्या–2 चांडिल के पूर्व कर्मचारी नागेंद्र प्रमाणिक तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी दिलीप चटर्जी, तपन कुमार हाजरा, हेमन्त प्रमाणिक, खलील अंसारी, पंचानन कुम्हार, नारद महतो और रमाकांत दास भी इस नेटवर्क से जुड़े रहे हैं। आरोप के अनुसार इन लोगों की वजह से 84 मौजा और 116 गांवों के विस्थापितों को वर्षों से अपने अधिकारों के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि पुनर्वास कार्यालय संख्या–2 चांडिल के कर्मचारी दारा प्रसाद मंडल, अपर निदेशक कार्यालय आदित्यपुर जमशेदपुर के कर्मचारी प्रसेनजीत घोष और विशेष भू-अर्जन कार्यालय चांडिल के कर्मचारी बादल बनर्जी इस पूरे तंत्र में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। कहा गया है कि विस्थापितों को सीधे कार्यालय से काम नहीं कराया जाता, बल्कि दलालों और एजेंटों के माध्यम से ही आधे हिस्से की शर्त पर काम करवाने का दबाव बनाया जाता है। इस मामले में संबंधित अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

पलामू में संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगरः नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख इंडिकेटरों में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को टाउन हॉल सभागार में संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त समीरा एस, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम और योजना पदाधिकारी शिशिर तिग्गा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त समीरा एस ने कहा कि जिले के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत निर्धारित संकेतकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत नवजात शिशुओं का जन्म के समय वजन लेना, क्षय रोग के मामलों की शत-प्रतिशत केस नोटिफिकेशन, आंगनबाड़ी केंद्रों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन, सभी विद्यालयों में बालिकाओं के लिए कार्यशील शौचालय की उपलब्धता तथा पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने बताया कि संपूर्णता अभियान 2.0 का उद्देश्य नीति आयोग द्वारा निर्धारित संकेतकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करना है, ताकि स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और पशुपालन से संबंधित योजनाओं का लाभ लोगों तक पूरी तरह पहुंच सके। उन्होंने जानकारी दी कि यह अभियान 28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक चलाया जाएगा। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक ने भी अपने विभागों से जुड़े कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी। मौके पर विभिन्न प्रखंडों से आई बड़ी संख्या में सेविकाएं और सहायिकाएं भी उपस्थित रहीं।

डुमरी में आयुष विभाग का निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः अनुमंडल कार्यालय परिसर में सोमवार को आयुष विभाग की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पंचायत समिति उप प्रमुख उपेन्द्र महतो, पंचायत समिति सदस्य अखिलेश राणा और युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गुड्डु मलिक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और आवश्यक दवाइयां प्राप्त कीं।

आयुष विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह शिविर विशेष रूप से वयोवृद्ध लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक प्रखंड में इस तरह के शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां आयुर्वेदिक, योग और होमियोपैथिक पद्धति से इलाज और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया जा रहा है। शिविर में लोगों को आयुष पद्धति और आयुष औषधियों के उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वे प्राकृतिक उपचार के माध्यम से स्वस्थ रह सकें।

इस अवसर पर आयुष चिकित्सक डॉ. बंसत, आयुष चिकित्सक मिथुन, आयुष चिकित्सक मनोज महतो, योग शिक्षक पंकज ठाकुर, अरुण रजक, दीपक जैन और रामलाल सहित कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

डीवीसी चंद्रपुरा में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह संपन्न, सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर संयंत्र की इकाई 7-8 के सम्मेलन कक्ष में एक विशेष समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन एवं अनुरक्षण) अभिजीत घोष ने कहा कि प्लांट में कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सुरक्षा जागरूकता केवल एक सप्ताह का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी दैनिक कार्यशैली का हिस्सा होनी चाहिए। श्री घोष ने संतोष व्यक्त किया कि चंद्रपुरा थर्मल में सुरक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है और इसे और अधिक मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

समारोह के दौरान सप्ताह भर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सम्मानित होने वाले प्रतिभागियों में सायन कुमार, संजीव कुमार, अजीत कुमार, नटराज कुमार, संजीत कुमार, रामजी रजक, मीता मंडल, विनोद बरूरी, तपस कुमार मंडल और अभिनंदन कुमार शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ प्रबंधक पवन कुमार और तनवीर अख्तर ने किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक राजीव रंजन, राजीव रंजन ओझा और अक्षय कुमार सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

मध्यस्थता से सुलझा बालक की कस्टडी का विवाद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगरः पलामू में बालक की कस्टडी को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद मध्यस्थता के माध्यम से सुलझा लिया गया। मामले में बालक के पिता ने उपायुक्त पलामू समीरा एस को आवेदन देकर अपने पुत्र को नाना-नानी के पास से दिलाने की गुहार लगाई थी। उपायुक्त समीरा एस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायत को बाल कल्याण समिति को भेजकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

बालक के पिता ने आरोप लगाया था कि उसकी सास और पत्नी के मामा ने उसके नाबालिग पुत्र को अपने पास रखा हुआ है और उसे सौंपने से इनकार कर रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए बाल कल्याण समिति ने सदर थाना प्रभारी को बालक को रेस्क्यू कर समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बाद में बालक को उसकी नानी ने समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान बालक की माता के मामा, बालक के पिता और दादा भी उपस्थित रहे।

सुनवाई के दौरान बताया गया कि बालक की माता लंबे समय से बीमार थी और तीन माह पहले उसका निधन हो गया। तब से बालक अपने नाना-नानी के साथ ग्राम पोखराहा में रह रहा है। वहीं बालक के पिता और दादा दिल्ली में रहते हैं और उनका मूल निवास सतबरवा है। कस्टडी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बना हुआ था।

बाल कल्याण समिति ने मामले को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का निर्णय लिया और पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन से मध्यस्थ नियुक्त करने का अनुरोध किया। इसके बाद मध्यस्थ वीणा मिश्रा को नियुक्त किया गया। वीणा मिश्रा ने दोनों पक्षों से बातचीत कर समझौता कराया, जिसके तहत तय हुआ कि बालक फिलहाल तीन माह तक अपने नाना-नानी के पास रहेगा, उसके बाद वह अपने पिता के साथ रहेगा। इस प्रकार मध्यस्थता के जरिए बालक की कस्टडी का विवाद सुलझा लिया गया।

श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ की कमिटी का किया गया विस्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति, रामगढ़ के तत्वावधान में महोत्सव की तैयारियों को और अधिक सुव्यवस्थित एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से महासमिति की कमेटी का विस्तार किया गया। महासमिति के अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में मंगलवार को होटल ला मैरिटल के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कमेटी का विस्तार किया गया। इस अवसर पर महासमिति के मुख्य संरक्षक सह पूर्व अध्यक्ष छोटू वर्मा एवं दिपक मिश्रा के सहित कई गणमान्य सदस्य सहित सामाजिक कार्यकर्ता एवं रामभक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान रामनवमी महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों एवं व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अलग-अलग दायित्वों का निर्धारण किया गया। महासमिति के विस्तार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा आयोजन को भव्य, अनुशासित और सफल बनाना है। इस दौरान महासमिति के कमेटी का विस्तार करते हुए महासचिव के दायित्व में विशाल जायसवाल, ओम प्रकाश कुशवाहा, ब्रजेश पाठक, अविनाश राम, कोषाध्यक्ष शशि शेखर सिंह के सहित संरक्षक,उपाध्यक्ष, सचीव, मातृशक्ति, मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख बनाया गया। महासमिति के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि रामनवमी महोत्सव रामगढ़ की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस पावन पर्व को लेकर पूरे जिला में विशेष उत्साह रहता है। उन्होंने सभी रामभक्तों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं से अपील की कि वे इस पावन आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाएं और महोत्सव को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

डुमरी में दो ट्रकों से अवैध सरिया बरामद, दो चालक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः डुमरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध सामान की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरिया लदे दो ट्रकों को पकड़कर दो चालकों को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 08 मार्च 2026 की रात डुमरी थाना को सूचना मिली थी कि दो ट्रकों के माध्यम से अवैध सामान की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कुलगो टोल प्लाजा के पास सरिया लदे ट्रक संख्या यूपी 52बीटी-2330 और ट्रक संख्या सीजी 07एयू-0417 को जांच के लिए रोका।

जांच के दौरान दोनों ट्रकों में लदे सरिया से संबंधित कागजात की पड़ताल की गई। उपलब्ध दस्तावेजों की जीएसटी विभाग से जांच कराई गई, जिसमें पता चला कि संबंधित कागजात का निबंधन 15 दिसंबर 2025 से निलंबित है। जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट हुआ कि दोनों ट्रकों के माध्यम से फर्जी कागजात के आधार पर टैक्स चोरी करते हुए सरिया का परिवहन किया जा रहा था।

मामले में डुमरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस ने ट्रक चालक ओम प्रकाश (35), ग्राम पुरवा चौराहा, थाना कोतवाली, जिला देवरिया और रंजय कुमार यादव (36), ग्राम सोनारडंगाल, थाना चिरकुंडा, जिला धनबाद को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेज दिया है।

पलामू में धान खरीद तेज करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगरः पलामू जिले में धान अधिप्राप्ति योजना के तहत खरीद प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में सभी धान अधिप्राप्ति केंद्र संचालकों, राइस मिलरों और नोडल पदाधिकारी-सह-दंडाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए जिले में 2 लाख 50 हजार क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 1 लाख 63 हजार क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है, जबकि लगभग 87 हजार क्विंटल धान की खरीद अभी बाकी है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने कहा कि धान खरीद के लिए लगभग 20 दिन शेष हैं, इसलिए सभी केंद्र संचालक लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए तेजी से कार्य करें और किसी भी परिस्थिति में लक्ष्य से कम धान की खरीद न हो।

बैठक में बताया गया कि पूर्व में राइस मिलरों के चयन और धान उठाव में कुछ कठिनाइयां आ रही थीं, लेकिन अब राइस मिलरों द्वारा उठाव कार्य तेज कर दिया गया है। अब तक करीब 60 हजार क्विंटल धान का उठाव किया जा चुका है और शेष धान का उठाव भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने बताया कि इस बार किसानों को एकमुश्त राशि भुगतान की व्यवस्था की गई है और अब तक भुगतान को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। विभाग और निगम मुख्यालय रांची स्तर से भी इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है तथा राशि उपलब्ध होते ही किसानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही नोडल पदाधिकारी-सह-दंडाधिकारियों को नियमित रूप से क्रय केंद्रों का निरीक्षण करने और ई-उपार्जन पोर्टल पर दर्ज मात्रा के अनुरूप ही धान भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

पलामू में डीआईजी ने कोर्ट परिसर व कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

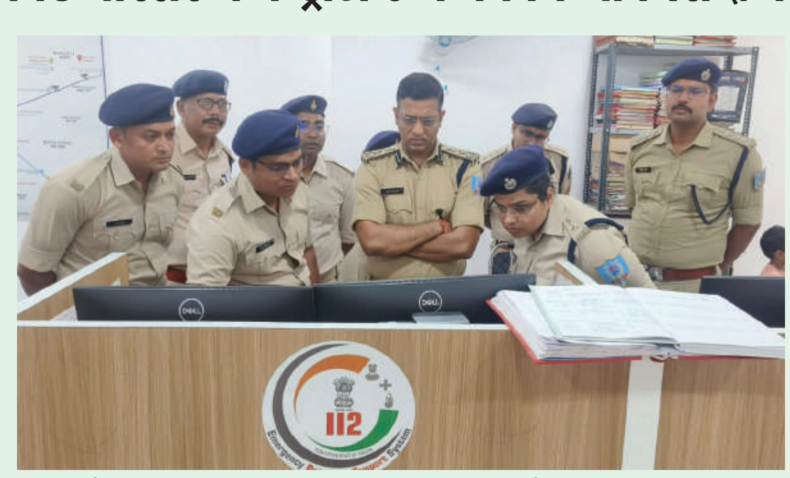

मेदिनीनगरः पलामू क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक किशोर कौशल ने जिले की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान सिविल कोर्ट परिसर तथा समाहरणालय स्थित सेंट्रल कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को हमेशा सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है तथा किसी भी शिकायत या सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आम लोगों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन भी मौजूद थीं।

डीआईजी ने सिविल कोर्ट परिसर और उसके बाहरी क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कोर्ट के प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा बलों की सतर्कता, चेकिंग प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। इस दौरान तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया गया कि कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच सुनिश्चित करें, संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखें तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इसके बाद डीआईजी ने पुलिस अधीक्षक के साथ समाहरणालय स्थित सेंट्रल कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने अपराध निगरानी, सूचना प्रबंधन, संचार व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त लाइव फुटेज की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही विभिन्न थानों से प्राप्त सूचनाओं के संकलन, फाइलों के रखरखाव और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कंट्रोल रूम में तैनात पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी थानों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करें, शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की लगातार मॉनिटरिंग करें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अन्य पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल भी उपस्थित रहे।

संस्कारों के संवाहक हैं दादा-दादी, नाना-नानी : प्राचार्य डॉ. गंगवार

» डीपीएस बोकारो में सोल्लास मना 'ग्रैंड पैरेंट्स डे', अनुभवों की छांव में बचपन ने बिखेरी मुस्कान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

ग्रैंड पैरेंट्स के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन करते प्राचार्य व अन्य।

स्वागत गान प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

गीत-संगीत प्रस्तुत करते बच्चे।

बोकारो। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक लाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना है और इसके लिए अच्छे संस्कार हमें अपने बुजुर्गों के सानिध्य में ही मिलते हैं। दादा-दादी एवं नाना-नानी से हमें माता-पिता, शिक्षकों और मित्रों, सभी का सम्मिलित स्नेह मिलता है। वे संस्कारों और ज्ञान के सौम्य मशाल-वाहक हैं। वे घर धन्य हैं, जहां बुजुर्गों का साया है। यह कहना है दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार का। विद्यार्थियों में घर के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और नैतिकता का भाव प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंगलवार को आयोजित ग्रैंड पैरेंट्स डे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में बच्चों को अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ समय बिताना चाहिए और उनके अनुभवों से सीखना चाहिए। बुजुर्ग हमारे परिवार के आधारस्तंभ हैं। उनका बीता हुआ कल और उनके अनुभव हमारे वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा हैं। डीपीएस बोकारो का लक्ष्य केवल बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देना ही नहीं, बल्कि उनमें पारिवारिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करना भी है।

समारोह को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार।

विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता ग्रैंडपैरेंट्स को पुरस्कृत करते प्राचार्य।

कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी और उनके दादा-दादी, नाना-नानी।

पोते-पोतियों के संग रैंप पर उतरे दादा-दादी, हुए कई रंगारंग कार्यक्रम-विद्यालय की प्राइमरी इकाई में आयोजित इस भव्य और भावपूर्ण कार्यक्रम में नन्हे-मुन्नों ने अपने दादा-दादी और नाना-नानी के सम्मान में न केवल रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, बल्कि उनके प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और प्रेम भी व्यक्त किया। नन्हे विद्यार्थियों ने स्वागत गान दादा-दादी का स्वागत करें हम... की सुमधुर प्रस्तुति की तथा लव यू ज़िंदगी... जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य पेश कर पूरे वातावरण को आनंदमय कर दिया। विशेष रूप से भगवान कृष्ण को समर्पित नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान दादा-दादी, नाना-नानी के लिए भी कई रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें गाने पहचानो, रैंप वॉक, सॉर्टिंग द बॉल्स और पजल सॉल्विंग शामिल थे। इन खेलों में बुजुर्गों ने बच्चों जैसे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। बेहतर प्रदर्शन करनेवाले प्रतिभागी ग्रैंडपैरेंट्स पुरस्कृत भी किए गए। इसी क्रम में कक्षा 4 की छात्रा शैलजा शान्वी के ग्रैंड पैरेंट्स के प्रति कृतज्ञतायुक्त भाषण ने सबकी आंखें नम कर दीं।

तिलक व बैज से स्वागत, पत्तियों पर लिखे आशीर्वाद-कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से हुआ। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों ने तिलक लगाकर और बैच पहनाकर दादा-दादी, नाना-नानी का आदरपूर्वक स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. गंगवार को कृतज्ञता के प्रतीक स्वरूप एक पौधा भेंट किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की मंगल शुरुआत हुई। समारोह में सबसे भावुक पल तब आया जब आशीर्वाद वृक्ष गतिविधि का आयोजन हुआ। इसमें बच्चों के दादा-दादी व नाना-नानी ने कागज की पत्तियों पर अपने संदेश और आशीर्वाद लिखकर उन्हें एक कृत्रिम वृक्ष पर लगाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रैंड पैरेंट्स ने इस आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की। कहा कि आज के दौर में जहां समाज संकीर्णता की ओर जा रहा है, वहां बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़े रखने की दिशा में डीपीएस बोकारो का यह प्रयास अनुकरणीय है। इस दौरान फोटोग्राफी के लिए बनाया गया सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। उत्साहित ग्रैंड पेरेंट्स अपने मोबाइल कैमरे से इस अविस्मरणीय क्षण को कैद करते भी देखे गए।

चौथे दिन भी ठप रहा 500 मेगावाट का पावर प्लांट, ओवरलोडिंग और फिटनेस पर उठे सवाल

» डीवीसी बोकारो थर्मल में छाई के जमाव से संकट लगातार बरकरार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट क्षमता वाले ए पावर प्लांट में ऐश पौंड के संकट के कारण मंगलवार को लगातार चौथे दिन भी विद्युत उत्पादन शुरू नहीं हो सका। छाई के जमाव के कारण प्लांट को लाइट अप करने की प्रक्रिया भी बाधित रही। दूसरी ओर, ऐश पौंड से छाई उठाव के कार्य में लगे वाहनों की संख्या में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं होने से संकट और गहरा गया है।

डीवीसी के मेंबर टेक्निकल एसके पांडा ने मंगलवार को वरीय जीएम मधुकर श्रीवास्तव और जीएम (ऐश मैनेजमेंट) एए कुजूर के साथ पुनः ऐश पौंड का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यरत कंपनी के प्रतिनिधियों से वाहनों की कम संख्या पर जवाब-तलब किया और सख्ती के साथ वाहनों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। प्रबंधन की चिंता यह है कि जब तक छाई का उठाव तेज नहीं होगा, प्लांट को सुरक्षित रूप से चालू करना संभव नहीं होगा।

इस बीच, सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र यादव ने डीवीसी और परिवहन ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेरमो एसडीएम के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए छाई ढुलाई वाले हाईवा वाहनों में तीन से पांच टन तक ओवरलोडिंग की जा रही है। उन्होंने नावाडीह में सोमवार को हुए हादसे का हवाला देते हुए बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हाइवा (जेएच09बीएफ -6537) न केवल ओवरलोड था, बल्कि उसका फिटनेस भी फेल था। उन्होंने बोकारो डीटीओ से मांग की है कि ऐश पौंड में चल रहे सभी वाहनों के कागजातों की सघन जांच की जाए और ओवरलोडिंग रोकी जाए।

मंगलवार को स्थानीय स्तर पर 10 हाईवा छाई ढुलाई के लिए मंगाए गए थे, लेकिन अंडरलोड (नियमसम्मत भार) चलने पर भाड़े की दर (रेट) न बढ़ाने के कारण सात वाहन बिना काम किए वापस लौट गए। स्थिति यह रही कि पूरे दिन में मात्र तीन हाईवा ही राजगंज के लिए रवाना हो सके, जबकि सात अन्य हाईवा केवल साइट-टू-साइट'यानी एक पौंड से दूसरे पौंड या पावर प्लांट के ऐश यार्ड में छाई डंप करने के काम में लगे रहे। नावाडीह दुर्घटना के बाद जीएम (ऐश मैनेजमेंट) ने ओवरलोडिंग पर रोक संबंधी निर्देश जारी किए हैं, जिससे ट्रांसपोर्टिंग की रफ्तार और धीमी पड़ गई है।

बीएसएल में मना नारी शक्ति का उत्सव, पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल और चामी मुर्मू ने साझा किए प्रेरक अनुभव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बोकारो महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती शुभम रंजन, प्रसिद्ध पर्वतारोही पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल और प्रख्यात पर्यावरण कार्यकर्ता पद्मश्री चामी मुर्मू उपस्थित थीं।

इनक्रेडिबल आयरन लेडीज के योगदान की सराहना-मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) श्रीमती अनिमा कुशवाहा ने स्वागत भाषण में बीएसएल की महिला कर्मियों को इनक्रेडिबल आयरन लेडीज की संज्ञा देते हुए उनके बहुमूल्य योगदान को सराहा। उन्होंने इस वर्ष के विषय-गिव टू गेन पर चर्चा करते हुए महिला सशक्तिकरण को समाज की संपूर्ण क्षमता उजागर करने का माध्यम बताया। मुख्य अतिथि श्री प्रिय रंजन ने अपने संबोधन में संयंत्र की प्रगति में महिलाओं की निर्णायक भूमिका की प्रशंसा की और उन्हें निरंतर नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रोत्साहित किया।

सम्मान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम-समारोह के दौरान बीएसएल की 20 महिला कार्मिकों को उत्कृष्टता अवार्ड से नवाजा गया, वहीं प्रोजेक्ट्स डिवीजन में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला कर्मचारी श्रीमती जानकी देवी को दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रेरणादायी सत्र में पद्मश्री प्रेमलता अग्रवाल और चामी मुर्मू ने अपने जीवन के संघर्षों और सफलताओं के अनुभव साझा किए, जिसके बाद उन्हें सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत बीजीएच के डॉक्टरों द्वारा जीते हैं चल संवाद नृत्य, स्टील गल्स 2.0 नृत्य नाटिका और वित्त विभाग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर लघु नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री बनर्जी राजश्री सहित संयंत्र के कई वरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में महिला कर्मी उपस्थित थीं। यह आयोजन बीएसएल प्रबंधन की समावेशी कार्य-संस्कृति और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक (बीई) श्रीमती अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सुरेश जायसवाल की 26वीं पुण्यतिथि पर प्रहरी मेला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

» खोरठा गायक मनोज देहाती के गीतों से सजी सांस्कृतिक संध्या

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर में मंगलवार को भूतपूर्व सरपंच एवं क्षेत्र के प्रखर समाजसेवी स्वर्गीय सुरेश कुमार जायसवाल की 26वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनायी गयी। प्रहरी मेला के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर आयोजित इस पुण्यतिथि समारोह में श्रद्धांजलि सभा के साथ खोरठा के लोकप्रिय गायक मनोज देहाती का सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कसमार प्रखंड प्रमुख नियोती कुमारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम, कसमार के अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह तथा बलियापुर के अंचल अधिकारी मुरारी नायक सहित अन्य अतिथियों ने स्वर्गीय जायसवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रमुख नियोती कुमारी ने कहा कि स्व सुरेश जायसवाल ने समाज में शिक्षा, जागरूकता और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का कार्य किया। उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी क्षेत्र के लोगों को प्रेरित करते हैं। प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम ने कहा कि स्व जायसवाल का जीवन समाजसेवा के लिए समर्पित था। कसमार के अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि समाज के लिए समर्पित ऐसे व्यक्तित्व विरले होते हैं, जिनकी स्मृतियां हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहती हैं। बलियापुर के अंचल अधिकारी मुरारी नायक ने भी स्व जायसवाल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन जनसेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में खोरठा के लोकप्रिय गायक मनोज देहाती, कुमार आजम और शैलेन्द्री ने एक से बढ़कर एक गीत संगीत और हास्य व्यंग प्रस्तुत कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम को कमिटी के अध्यक्ष घनश्याम महतो, सचिव राजेश कुमार राय, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार जायसवाल, व्यवस्थापक रामसेवक जायसवाल, समाजसेवी लोकेश कुमार दे, सूरज प्रकाश जायसवाल, किशोर कांत, माले नेता शकुर अंसारी, उमेश जायसवाल, सरस्वती सिंह, डॉ जीतलाल महतो, सुनील कपरदार, शेखर शरदेंदु, रमेश आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज कुमार जायसवाल ने किया। मौके पर मुखिया मंटू राम मरांडी, मनोज कुमार महतो, विष्णु जायसवाल, रोमेश अंसारी, दिलीप शर्मा, प्रदीप पाणडेय, जगरनाथ महतो, अंकुश जायसवाल, दिलीप महतो, प्रेमचन्द महतो, युनुस अंसारी, नेपाल महतो, महेन्द्र जायसवाल, आनंद दे, प्रेमचन्द महतो, अजय स्वर्णकार, आर्यन, अभिषेक जायसवाल, राहुल, विनीत आदि मौजूद थे। मेला में स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रहरी मेला के प्रथम दिन किया गया। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ मानस कुमार कपरदार, चिकित्साकर्मी संतोष कुमार, एएनएम शारदा कुमारी, कुमारी उषा, दुर्गा घांसी, सहिया उगनी देवी, अनिता देवी, बिलासी देवी समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

शिविर में खैराचातर व आसपास के दर्जनों गांव से आये 245 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। इस दौरान चिकित्सक ने इलाज के बाद निःशुल्क दवा का भी वितरण किया। इस अवसर पर शिविर में कई लोगों ने बीपी, सुगर व अन्य कई बीमारियों की जांच करवाई। जांच के बाद सभी को चिकित्सा परामर्श भी दी गई।

विस्थापितों और शहरवासियों के योगदान की गाथा सुनाएगा 'कृतज्ञता पार्क'

» डीसी ने किया बोकारो में सेक्टर-11 की चिह्नित भूमि का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निर्माण में अपनी जमीन और घर न्योछावर करने वाले विस्थापित परिवारों के त्याग को सम्मान देने के लिए सेक्टर-11 में कृतज्ञता पार्क विकसित किया जाएगा। मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस प्रस्तावित पार्क के लिए चिह्नित भूमि का निरीक्षण किया और बीएसएल प्रबंधन को निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान जोर देकर कहा कि इस पार्क का स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग विस्थापितों के गौरवशाली इतिहास तथा प्लांट की स्थापना में उनकी निर्णायक भूमिका से रूबरू हो सकें। उन्होंने चिह्नित स्थल पर मिट्टी भराई कर उसे मुख्य सड़क के स्तर तक समतलीकरण करने का निर्देश दिया ताकि पार्क का विकास व्यवस्थित और सुंदर ढंग से किया जा सके।

बीएसएल प्रबंधन ने बताया कि कृतज्ञता पार्क का मुख्य उद्देश्य विस्थापित परिवारों के योगदान को सदैव के लिए स्मरणीय बनाना है। यहां ऐसी संरचनाएं और सूचना पट्ट लगाए जाएंगे जो आने वाली पीढ़ियों को इस महान बलिदान की जानकारी देंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, डीपीआरओ रवि कुमार, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, बीएसएल नगर सेवाएं के सीजीएम कुंदन कुमार और सीजीएम (एचआर) अंजनी कुमार सहित जिला प्रशासन व संयंत्र के कई आला अधिकारी उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में बीएसएल की नई पहल: कौशल विकास हेतु एमओए पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए समर्पण वेलफेयर एसोसिएशन सोशल डेवलपमेंट (समर्पण-एसडब्ल्यूएएसडी) तथा तकनीकी साझेदार ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। मंगलवार को सेक्टर-2 स्थित हस्तशिल्प प्रशिक्षण केंद्र में इस त्रिपक्षीय आजीविका विकास पहल के लिए औपचारिक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन सहित संयंत्र के कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बोकारो इस्पात संयंत्र के परिधीय गांवों की वंचित महिलाओं को सिलाई एवं कढ़ाई में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। एक वर्ष की अवधि वाली इस परियोजना के तहत प्रथम चरण में 50 महिलाओं की पहचान की जाएगी, जिनमें से 25 महिलाओं को ऊषा इंटरनेशनल के विशेषज्ञों द्वारा 25 दिवसीय गहन तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र (टीसीपीसी) भी स्थापित किया जाएगा, जहां प्रशिक्षित महिलाएं अपनी उत्पादन गतिविधियों को निरंतर जारी रख सकेंगी।

साझेदारी के इस ढांचे में बीएसएल वित्तीय सहायता और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा, जबकि समर्पण संस्था कार्यक्रम के क्रियान्वयन और केंद्र के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी। ऊषा इंटरनेशनल द्वारा तकनीकी ज्ञान और प्रमाणन प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं को जॉब ऑर्डर और बाजार से जोड़ने (मार्केट लिंकेज) का भी प्रावधान है, जिससे प्रत्येक प्रशिक्षित महिला की न्यूनतम मासिक आय 5,000 रुपये होने की संभावना है। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं में उद्यमशीलता का विकास करेगी, बल्कि क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और एक समावेशी समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पीडीजे व डीसी-एसपी ने लिया बोकारो व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा का जायजा, सीसीटीवी से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले की अदालतों को मिल रही हालिया धमकियों और सुरक्षा संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने संयुक्त रूप से बोकारो व्यवहार न्यायालय परिसर का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान न्यायालय की विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए कई कड़े और तकनीकी निर्देश जारी किए गए।

कंट्रोल रूम से होगी सीधी मॉनिटरिंग-निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने न्यायालय के मुख्य प्रवेश द्वार और आसपास के सभी मुख्य मार्गों पर तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। इन कैमरों की सबसे खास बात यह होगी कि इनकी लाइव फीड सीधे जिला समेकित नियंत्रण कक्ष (सीसीआर) से जुड़ी रहेगी। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी नियंत्रण कक्ष से ही 24 घंटे कैमरों की मॉनिटरिंग करेंगे। केवल कोर्ट परिसर ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ने वाली मुख्य सड़कों पर भी तीसरी आंख का पहरा होगा।

सुरक्षा बलों को सतर्कता के निर्देश-अधिकारियों ने परिसर में तैनात पुलिस जवानों और सुरक्षाकर्मियों से सीधा संवाद किया और उन्हें किसी भी परिस्थिति के लिए सदैव अलर्ट रहने का निर्देश दिया। एसपी हरविंदर सिंह ने सुरक्षा घेरे को और अधिक व्यवस्थित करने पर बल दिया, ताकि न्यायालय आने वाले अधिवक्ताओं, वादियों और आम नागरिकों को पूर्णतः सुरक्षित वातावरण मिल सके। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए तकनीक के साथ-साथ मानव बल का भी प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, बुधवार, 11 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

यक्ष्मा नियंत्रण समिति ने की 86 लोगों की जांच

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला यक्ष्मा नियंत्रण समिति ने मंगलवार को कनकनी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शिविर लगाकर 86 लोगों की एक्स-रे जांच की।

वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक सह चेयरमैन, भारतीय रेडक्रॉस समिति, धनबाद कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 2 दिन में सभी की जांच रिपोर्ट आ जाएगी। इसके बाद उनका बलगम टेस्ट किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति में यक्ष्मा रोग के लक्षण मिलेंगे तो उन्हें दवा देकर इलाज किया जाएगा।

शिविर को सफल बनाने में सीएचओ प्रवीण कुमार सिंह, नरेश कुमार माजी, एक्स-रे टेक्नीशियन बैकुंठ प्रसाद, शिवम कुमार, हर्ष कुमार व सहिया दीदी का सराहनीय सहयोग रहा।

19 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या, मानसिक तनाव का चल रहा था इलाज

धनबादः मंगलवार को सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरलीनगर इलाके से एक दुखद घटना सामने आई। 19 वर्षीय युवक अमित कुमार खेत्रोपाल ने अपने घर में जीवन लीला समाप्त कर ली, जिससे पूरे इलाके में शोक का माहौल बन गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों के अनुसार अमित पिछले कई वर्षों से मानसिक तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। उनका इलाज रांची में चल रहा था, और परिवार ने बताया कि अमित लगभग पांच वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था तथा उसका नियमित इलाज किया जाता रहा।

घटना के समय घर में कोई नहीं था और अमित कमरे में अकेला था। सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो मकान मालिक को शक हुआ। आवाज लगाने पर भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब खिड़की से झांककर देखा गया, तो तुरंत इसकी सूचना परिजनों और सरायढेला थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर युवक को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, धनबाद भेजा गया।

परिजन बताते हैं कि खेत्रोपाल परिवार पिछले 18-19 वर्षों से धनबाद में रह रहा है। युवक के अचानक इस कदम से पूरे परिवार में शोक और सदमा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

एसएसपी ने जनता दरबार में समस्याओं का लिया संज्ञान, पुलिस की जवाबदेही पर जोर

धनबादः मंगलवार को धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने अपने कार्यालय में जनता दरबार आयोजित किया। इस दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों ने जमीन विवाद, मारपीट, ठगी और पारिवारिक झगड़ों जैसी शिकायतें प्रस्तुत कीं। एसएसपी ने इन शिकायतों पर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनता दरबार का आयोजन यह स्पष्ट करता है कि धनबाद पुलिस नागरिकों की समस्याओं को सुनने और उनका समयबद्ध समाधान करने के प्रति गंभीर है। एसएसपी ने कहा कि यह पहल लोगों को सीधे पुलिस तक अपनी बात पहुंचाने का अवसर प्रदान करती है।

विश्लेषकों के अनुसार, ऐसे जनता दरबार न केवल पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं, बल्कि स्थानीय विवादों और अपराधों के त्वरित समाधान में भी सहायक होते हैं। यह स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस सिर्फ कानून लागू करने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए जवाबदेह भी है।

धनबाद में इस तरह के कार्यक्रम यह दिखाते हैं कि प्रशासन सक्रिय और पारदर्शी पहल के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं को प्राथमिकता दे रहा है।

सिंदरी के सरकारी स्कूलों के विकास के लिए हर्ल व शिक्षा विभाग के बीच हुआ एमओयू

सिंदरी (धनबाद)ः मंगलवार को सिंदरी इलाके में मौजूद 10 सरकारी स्कूलों में शिक्षा और उससे जुड़ी संरचनाओं में सुधार व बढ़ोतरी करने तथा स्कूलों के विकास के लिए हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) तथा जिला शिक्षा विभाग के बीच एमओयू साइन हुआ। एमओयू पर हर्ल सिंदरी के बिजनेस यूनिट हेड गौतम माजी और जिला प्रशासन की ओर से जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार ने हस्ताक्षर किए।

इसकी जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक ने बताया कि इस एमओयू से सिंदरी इलाके में मौजूद 10 सरकारी स्कूलों में "शिक्षा और उससे जुड़ी संरचनाओं में सुधार और बढ़ोतरी" पर फोकस किया जाएगा।

यह पहल हर्ल के कॉर्पोरेट एनवायरनमेंट रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीईआर) प्रोग्राम के तहत की जा रही है। जो कंपनी के सस्टेनेबल सोशल अपलिफ्टमेंट के कमिटमेंट पर जोर देता है। इसमें हर्ल से राशि मिलेगी और इस प्रोजेक्ट को जमीन पर जिला प्रशासन द्वारा पूरा किया जाएगा, ताकि स्थानीय शिक्षा की गुणवत्ता और जरूरतों के हिसाब से इसे पूरा किया जा सके।

वहीं हर्ल सिंदरी के बिजनेस यूनिट हेड गौतम माजी ने छात्रों के लिए बेहतर सीखने का माहौल बनाने के लिए हर्ल के समर्पण को दोहराया। जबकि जिला शिक्षा अधीक्षक ने जिले के शिक्षा के लक्ष्यों को पूरा करने में हर्ल की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन "हर एक काम, देश के नाम" के साझा विजन के साथ हुआ, जो हर्ल और सरकार के बीच मिलकर किए गए प्रयासों में एक नया अध्याय शुरू करता है।

मंडल कारा चास में डीसी–एसपी की मौजूदगी में छापेमारी

बोकारोः मंडल कारा चास में मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की देखरेख में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। करीब एक घंटे तक चले इस अभियान में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और जवानों की छह अलग-अलग टीमों ने जेल परिसर के विभिन्न वार्डों में सघन जांच की। जांच के दौरान कैदियों के वार्ड, बैरक और अन्य स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। प्रशासन के अनुसार अभियान का उद्देश्य जेल की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और किसी भी अवांछित गतिविधि पर नजर रखना था। तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ।

अभियान में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, डीएसपी सिटी आलोक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, डीएसपी मुख्यालय अनिमेष गुप्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, डीएसपी ट्रैफिक विद्या शंकर और जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो सहित कई अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल रहे। मौके पर जेल अधीक्षक सह डीएलओ द्वारिक बैठा, जेलर रामाकांत और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। प्रशासन ने कहा कि जेल में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

एसएसपी की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक संपन्न, फरवरी में 369 कांड दर्ज, 402 मामलों का निष्पादन

लंबित कांड घटकर पहली बार हुआ 1999, पिछले वर्ष के लंबित कांड 4300 के मुकाबके आई बड़ी कमी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में मंगलवार को फरवरी माह से संबंधित मासिक अपराध समीक्षा बैठक वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋतविक श्रीवास्तव, प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा समेत जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ, अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिले में अपराध की वर्तमान स्थिति, कानून व्यवस्था, दर्ज कांडों के निष्पादन, लंबित मामलों की प्रगति तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा विस्तार से की गई। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के साथ-साथ लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

» आर्म्स एक्ट के मामलों में स्पीडी ट्रायल, पांच कांड में आरोपियों को मिली सजा

समीक्षा के दौरान बताया गया कि फरवरी माह में जिले भर में कुल 369 कांड दर्ज किए गए, जबकि इसी अवधि में 402 लंबित कांडों का सफल निष्पादन किया गया। इस प्रकार दर्ज मामलों से अधिक कांडों का निष्पादन कर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी से कार्रवाई के परिणामस्वरूप जिले में लंबित मामलों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी आई है। पहली बार लंबित कांडों की संख्या घटकर 1999 रह गई है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब 4300 थी। पुलिस अधिकारियों ने इसे अपराध अनुसंधान और निष्पादन की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया।

बैठक में आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि पूर्व से लंबित 85 मामलों का स्पीडी ट्रायल कराया

जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप फरवरी माह में आर्म्स एक्ट के पांच मामलों में आरोपियों को न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई है। शेष मामलों की सुनवाई भी तेजी से जारी है।

एसएसपी ने लंबित वारंट के निष्पादन को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को मार्च माह के दौरान कम से कम 50 प्रतिशत लंबित वारंटों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ऐसे अपराधियों की लगातार तलाश कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी प्रभात कुमार ने अपराध से जुड़े लोगों से समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जो लोग अपराध की काली दुनिया को छोड़कर कानून की शरण में आना चाहते हैं, उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा और उन्हें कानून के दायरे में उचित सहयोग दिया जाएगा।

बैठक में जमीन दलालों और भू-माफियाओं के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज करने को कहा गया है।

आगामी ईद और रामनवमी पर्व को देखते हुए जिले में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रिवेंटिव एक्शन लेने तथा कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और मॉल में सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत करने तथा गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। पश्चिम बंगाल वेस्ट जोन के एडीजी के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर दोनों राज्यों के बीच अपराधियों की सूची का आदान-प्रदान किया गया है। इसके आधार पर संदिग्ध अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और जल्द ही सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष चेक पोस्ट भी स्थापित किए जाएंगे।

बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। एसएसपी ने ट्रैफिक पुलिस को फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही दोपहिया वाहनों पर चालक के साथ पीछे बैठे व्यक्ति के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा।

इसके अलावा जिले में वाहन चोरी की घटनाओं में कमी आने की भी जानकारी दी गई। पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह से जुड़े कुछ लोगों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

राज सिन्हा ने विधानसभा में उठाए खनन प्रभावित क्षेत्रों और निजी टेक्निकल विश्वविद्यालयों के मुद्दे

» खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफटी कोष का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिएः राज सिन्हा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः झारखंड विधानसभा में विधायक राज सिन्हा ने मंगलवार को अल्पसूचित और तारांकित प्रश्न के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और निजी टेक्निकल विश्वविद्यालयों में अव्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि झारखंड की लगभग 50 प्रतिशत पंचायतें खनन प्रभावित क्षेत्रों में हैं। राज्य की कुल 4345 पंचायतों में से करीब 2000 पंचायतें माइनिंग प्रभावित क्षेत्र में आती हैं। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) कोष का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, लेकिन डीएमएफटी कोष का उपयोग जिम, डाकबंगला, उपायुक्त कार्यालय और कलेक्ट्रेट भवन निर्माण में किया गया, जो प्रावधानों के विपरीत है।

विधायक ने सरकार से सवाल किया कि क्या इस अवैधानिक खर्च की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफटी कोष का सही उपयोग सुनिश्चित होना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने झारखंड के नौ निजी टेक्निकल विश्वविद्यालयों की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश विश्वविद्यालयों में आधारभूत संरचना और योग्य फैकल्टी का अभाव है, बावजूद इसके छात्रों को अभियांत्रिकी में नामांकन देकर परीक्षाएं कराई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों और अभिभावकों के साथ प्लेसमेंट के नाम पर आर्थिक और मानसिक शोषण हो रहा है।

राज सिन्हा ने सरकार से मांग की कि युवाओं के साथ हो रहे इस शोषण पर तत्काल रोक लगाई जाए और अभियंत्रण उत्तीर्ण छात्रों को राज्य में प्रभावी और शीघ्र प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

महापौर, नगर परिषद अध्यक्ष व वार्ड पार्षद 18 मार्च को करेंगे शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 में धनबाद नगर निगम के महापौर एवं वार्ड पार्षद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व वार्ड पार्षद आगामी 18 मार्च 2026 को शपथ ग्रहण करेंगे।

इसकी जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर एवं वार्ड पार्षदों के साथ 18 मार्च 2026 को 10:00 बजे पूर्वाह्न में समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभाकक्ष तथा चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष व वार्ड पार्षद के लिए समाहरणालय के तृतीय तल पर स्थित कमरा नंबर 314 में बैठक आयोजित की जाएगी। तत्पश्चात उन्हें शपथ दिलाई जाएगी।

धनबाद नगर निगम के उप महापौर व चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से 1:00 बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रुटनी की जाएगी। वहीं दोपहर 1:00 बजे से 1:30 तक विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की जाएगी। दोपहर 1:30 बजे से 1:45 बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित है। तत्पश्चात 1:45 बजे से 2:15 बजे तक मत पत्र की तैयारी की जाएगी। वहीं दोपहर

2:15 बजे से 3:00 बजे तक धनबाद नगर निगम के उप महापौर व चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए मतदान किया जाएगा।

दोपहर 3:00 बजे से 3:15 बजे तक मतगणना की जाएगी। वहीं 3:15 बजे से 3:30 बजे तक निर्वाचन परिणाम की घोषणा एवं निर्वाचन प्रमाण पत्र 42 में तामिला के लिए समय निर्धारित है। तत्पश्चात दोपहर 3:30 बजे से 4:00 बजे तक धनबाद नगर निगम के उप महापौर एवं चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष को शपथ ग्रहण कराई जाएगी।

भू–धंसान, गोफ और गैस रिसाव से आक्रोशित लोगों का जीएम कार्यालय पर हंगामा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

भौंरा (धनबाद)ः मंगलवार को भौंरा छह नंबर क्षेत्र में सोमवार को हुए गोफ, भू-धंसान और गैस रिसाव की घटनाओं के विरोध में स्थानीय लोगों ने झरिया कोल्ड फील्ड बचाओ समिति के बैनर तले ईजे एरिया महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की।

लोगों का कहना था कि क्षेत्र में लगातार भू-धंसान, गोफ और गैस रिसाव की घटनाएं हो रही हैं। इसके साथ ही इलाके में प्रदूषण और जलसंकट की समस्या भी गंभीर रूप ले चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बावजूद इसके प्रबंधन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि प्रबंधन हर बार समस्याओं के समाधान का आश्वासन देकर

मामले को टाल देता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही भू-धंसान, गोफ और गैस रिसाव की समस्या पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र की आउटसोर्सिंग परियोजनाओं सहित कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरी तरह से ठप कर दिया जाएगा।

बाद में ईजे एरिया के महाप्रबंधक टुनेश्वर पासवान अपने कक्ष से बाहर आए और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उनका ज्ञापन स्वीकार किया। इस दौरान समिति के शंभू वर्णवाल और रितेश गुप्ता ने जीएम से ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाने, गैस रिसाव को नियंत्रित करने, प्रदूषण नियंत्रण की व्यवस्था करने, जलसंकट दूर करने, प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने तथा भू-धंसान के कारणों की विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की।

महाप्रबंधक ने जलसंकट के समाधान के लिए सर्वे कराकर आवश्यक व्यवस्था करने तथा अन्य मांगों पर मुख्यालय से बातचीत कर कमेटी गठित कर त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो परियोजना और ट्रांसपोर्टिंग कार्य को अनिश्चितकालीन बंद कर दिया जाएगा।

मौके पर शंभू वर्णवाल, रितेश गुप्ता, विवेक सिंह, सुरेश अग्रवाल, विष्णु शर्मा, हरेंद्र यादव, रोहित गोप, विनोद यादव, श्रवण कुमार, कोमल खातुन, रवि साहू, श्रवण वर्मा, मनीष पांडेय, दीपक पासवान, उमाचरण मोदक, गोरे यादव, शुभम गुप्ता, सुमित साव, उदय निषाद, विक्की कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आम नागरिकों की शिकायतें

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के पाथरडीह, धैया, बाघमारा, तोपचांची, टुंडी, कतरास, सिंदरी, बरवाअड्डा, भूली, धनसार, कलियासोल, जोड़ापोखर, धनबाद सहित अन्य क्षेत्र से आए लोगों की शिकायते सुनीं।

जनता दरबार में अवैध कब्जा हटाने, जमीन हड़पने के उद्देश्य से जबरन बुनियाद काटने, मारपीट एवं रंगदारी मांगने के संबंध में, नगदी समेत सोना चांदी चोरी होने, दुकान और मकान में जबरन ताला लगाने, बार बार ओबीसी प्रमाण पत्र अस्वीकृत कर देने, अवैध निर्माण करने, नाली निर्माण तथा जलमीनार चालू कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा आवेदकों को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

झारखंड और पश्चिम बंगाल के 5 जिलों को शामिल करने वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

» भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 192 किलोमीटर की होगी वृद्धि

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / नई दिल्लीः मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 4,474 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। इन परियोजनाओं में सैंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन एवं संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन शामिल है।

बढ़ी हुई रेल लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने में सहायता मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के निर्बाध आवागमन के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्यों के 5 जिलों को शामिल करने वाली 2 परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 192 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी।

स्वीकृत मल्टी- ट्रैकिंग परियोजना लगभग 5,652 गांवों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिनकी आबादी लगभग 147 लाख है।

प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों, जैसे बोलपुर-शांतिनिकेतन, नंदिकेश्वरी मंदिर (शक्तिपीठ), तारापीठ (शक्तिपीठ), पटाचित्र ग्राम, धडिका वन, भीमबंध वन्यजीव अभ्यारण्य, रामेश्वर कुंड आदि के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा।

स्वीकृत परियोजनाएं कोयला, पत्थर, डोलोमाइट, सीमेंट, स्लैग, जिप्सम, लोहा और इस्पात, खाद्यान्न, पीओएल, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 31 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम होने के नाते, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में सहायता करेगा, तेल आयात (6 करोड़ लीटर) को कम करेगा और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (28 करोड़ किलोग्राम) को कम करेगा, जो 1 करोड़ पौधारोपण के बराबर है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

महागामा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष बने निलेश कुमार सिंह

गोड्डाः नगरपालिका (आम) चुनाव–2026 के तहत महागामा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को डीआरडीए सभागार में अप्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद निलेश कुमार सिंह निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए, जिसके बाद उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगर पंचायत के सभी निर्वाचित पार्षदों की उपस्थिति में निर्वाचन पदाधिकारी की देखरेख में मतदान प्रक्रिया कराई गई। चुनाव के दौरान सभी वैधानिक प्रावधानों और राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। परिणाम घोषित होने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष निलेश कुमार सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में महागामा नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा।

इस अवसर पर उपविकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, महागामा के निर्वाची पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी फैजान सरवर, नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से निर्वाचन और शपथ ग्रहण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं, जिसके कारण पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।

राजस्व विभाग की समीक्षा में डीसी सख्त, लंबित मामलों के जल्द निष्पादन का निर्देश

गोड्डाः समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व से संबंधित कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित और पारदर्शी निष्पादन के सख्त निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने भू-राजस्व, परिवहन, सहकारिता, उत्पाद, निबंधन, खनन, मत्स्य, नगर परिषद एवं लघु सिंचाई विभाग सहित कई विभागों के कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा और सभी मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में भूमि सीमांकन, अवैध जमाबंदी और अतिक्रमण से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। वहीं परिवहन विभाग को वाहन कर वसूली में तेजी लाने तथा अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उत्पाद विभाग को अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर निगरानी बढ़ाने तथा नियमित छापेमारी अभियान चलाने को कहा गया।

खनन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने तथा राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर परिषद के कार्यों की समीक्षा करते हुए नगर क्षेत्रों में राजस्व संग्रहण, साफ-सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई।

बैठक में अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, एसडीओ गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, एसडीओ महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगरपालिका चुनाव को लेकर गोड्डा में समाहरणालय परिसर के आसपास निषेधाज्ञा लागू

गोड्डाः नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 के शपथ ग्रहण और अप्रत्यक्ष चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। अनुमंडल दंडाधिकारी बैद्यनाथ उरांव ने पांडुबथान स्थित नए समाहरणालय भवन के 100 मीटर दायरे में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 10 मार्च से 11 मार्च 2026 की रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार इस अवधि में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, नाजायज मजमा लगाने, ध्वनि विस्तारक यंत्र के अनियंत्रित उपयोग तथा उत्तेजक नारे लगाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। किसी भी व्यक्ति को लाठी, भाला, गड़ासा, तीर-धनुष या अन्य हथियार एवं विस्फोटक सामग्री के साथ चलने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा बिना सक्षम पदाधिकारी की अनुमति के जुलूस, सभा, धरना, प्रदर्शन या रैली आयोजित करने पर भी रोक लगा दी गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा सकेगा। साथ ही ऐसी किसी भी गतिविधि पर प्रतिबंध रहेगा जिससे जातीय, धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जुलूस निकालने वाले अभ्यर्थियों को स्थान, समय और मार्ग की जानकारी पहले से प्रशासन को देनी होगी।

प्रशासन ने यह भी बताया कि निर्वाचन प्रचार के दौरान पशुओं के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उल्लंघन करने पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम सहित अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह निषेधाज्ञा चुनाव ड्यूटी में लगे पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों, शव यात्रा, अस्पताल ले जाए जा रहे मरीजों के साथ जाने वाले व्यक्तियों, बारात, छात्र-छात्राओं और परीक्षार्थियों पर लागू नहीं होगी।

उपायुक्त ने वन स्टॉप सेंटर हिज़ला का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने हिज़ला स्थित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, अभिलेखों के रख-रखाव तथा वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने केंद्र में रखे विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्र में आने वाली सभी महिलाओं एवं लाभार्थियों का नाम तथा आवश्यक विवरण रजिस्टर में नियमित रूप से दर्ज किया जाए। साथ ही सभी अभिलेखों को अद्यतन रखने पर विशेष जोर दिया।उपायुक्त ने 181 हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निष्पादन का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर सहायता मिल सके।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने केंद्र परिसर में महत्वपूर्ण दूरभाष नंबरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों से तुरंत संपर्क किया जा सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को कानूनी, चिकित्सीय, परामर्श एवं अन्य आवश्यक सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाए।उपायुक्त ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को त्वरित सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए केंद्र की सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाए रखना आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

साहिबगंज महाविद्यालय की सुरक्षा का मुद्दा विधानसभा में उठा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में तारांकित प्रश्न के माध्यम से साहिबगंज महाविद्यालय की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में आए यास तूफान के दौरान महाविद्यालय की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन इसके बाद से अब तक इसका पुनर्निर्माण नहीं हो पाया है। बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण कॉलेज परिसर असुरक्षित हो गया है और असामाजिक तत्वों के प्रवेश की आशंका बनी रहती है।

विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने सदन को बताया कि साहिबगंज महाविद्यालय जिले के लिए गौरव का प्रतीक और उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में छात्रों, शिक्षकों और पूरे परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

इस पर झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने जवाब देते हुए बताया कि बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, रांची को स्थल का भौतिक निरीक्षण कर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया गया है। डीपीआर तैयार होने के बाद प्राथमिकता के आधार पर प्रशासनिक स्वीकृति लेकर बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा। विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि कॉलेज की सुरक्षा और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए बाउंड्री वॉल का जल्द निर्माण जरूरी है।

ठाडीहाट में शिव महापुराण कथा में महादेव के 11 अवतारों का वर्णन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः रामगढ़ प्रखंड के ठाडीहाट ग्राम में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के छठे दिन मंगलवार को कथावाचक दुर्गेश नंदन जी महाराज ने भगवान शिव के 11 अवतारों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव साक्षात स्वयंभू हैं, जिनकी न तो उत्पत्ति है और न ही अंत, फिर भी धर्म और ज्ञान की रक्षा के लिए वे समय-समय पर विभिन्न रूपों में अवतार लेते हैं। उन्होंने बताया कि महादेव के 11 अवतारों की भक्ति और पूजा से भय और संकट दूर होते हैं तथा आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है।

कथावाचक दुर्गेश नंदन जी महाराज ने काल भैरव, नटराज, अर्धनारीश्वर, महाकाल, भैरव, दक्षिणामूर्ति, अघोर, रुद्र, पशुपतिनाथ, वीरभद्र और हनुमान के स्वरूपों की व्याख्या करते हुए उनके धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि काल भैरव शिव का उग्र रूप है जो अहंकार के विनाश का प्रतीक है, जबकि नटराज सृष्टि के सृजन और विनाश के संतुलन को दर्शाता है। अर्धनारीश्वर रूप शिव और शक्ति के सामंजस्य का प्रतीक है, वहीं महाकाल समय के नियंत्रण का संकेत देता है। उन्होंने बताया कि वीरभद्र उग्रता और न्याय के प्रतीक हैं, जबकि हनुमान को शिव का 11वां रुद्र अवतार माना जाता है, जो भक्ति, शक्ति और सेवा के प्रतीक हैं।

कथा के दौरान ठाडीहाट गांव के श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की महिमा सुनकर भावविभोर हो उठे। हनुमान के रुद्र अवतार की व्याख्या सुनकर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में ठाडीहाट ग्रामवासियों का सक्रिय सहयोग रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे।

हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग पर दुमका में बस सेवा ठप, देसी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः संताल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह पर हुए जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज बस मालिकों और कर्मचारियों ने मंगलवार को दुमका में बस सेवा पूरी तरह ठप कर दी। दुमका के अटल बिहारी वाजपेयी बस पड़ाव से सुबह से एक भी बस नहीं चली, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और बस स्टैंड पर सन्नाटा पसरा रहा।

जानकारी के अनुसार 24 फरवरी को संताल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह पर बाइक सवार दो अपराधियों ने गोली चला दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए दुर्गापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद अब वह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। घटना के बाद से बस मालिक और कर्मचारी लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे, लेकिन करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से आक्रोशित लोगों ने बस सेवा बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बस कर्मचारियों के आंदोलन को बस पड़ाव के आसपास के दुकानदारों का भी समर्थन मिला। कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं, जिससे बस स्टैंड के होटल और अन्य प्रतिष्ठान भी बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अरुण सिंह पर हमले के इतने दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है और जल्द कार्रवाई की मांग की।

धरना के दौरान बस स्टैंड के गेट के पास मौजूद भीड़ में एक युवक के पास देसी कट्टा देखा गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान मंगल के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह युवक वहां कैसे पहुंचा और उसकी मंशा क्या थी।

फूलो–झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण, कई कमियाँ मिलीं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

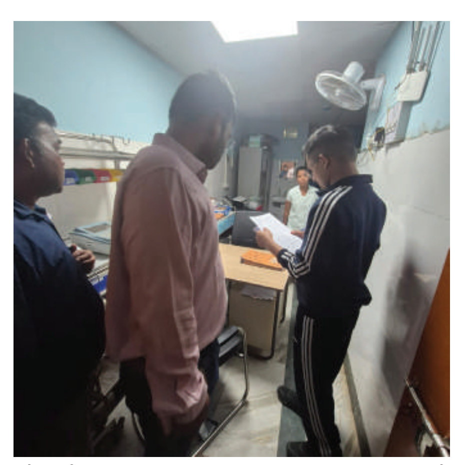

दुमकाः उपायुक्त के निर्देश पर सहायक समाहर्ता नाजिश उमर अंसारी ने सोमवार रात प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ फूलो–झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की विभिन्न सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया, जिसमें कई स्थानों पर व्यवस्थागत कमियाँ सामने आईं।

निरीक्षण के क्रम में आपातकालीन सेवा, विभिन्न वार्डों और अन्य कक्षों में ड्यूटी रोस्टर के अनुरूप कर्मियों की आंशिक उपस्थिति पाई गई। कुछ स्थानों पर साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार की आवश्यकता महसूस की गई। शिशु कक्ष, आईसीयू और अन्य वार्डों के निरीक्षण के दौरान रात्रि पाली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने की जरूरत बताई गई। इसके अलावा अस्पताल के कुछ कक्षों में तकनीकी कर्मियों की कमी के कारण कुछ सेवाओं के प्रभावित होने की जानकारी भी मिली।

निरीक्षण के बाद सहायक समाहर्ता नाजिश उमर अंसारी ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी वार्डों में ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों और कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रत्येक वार्ड के सूचना पट्ट पर संबंधित चिकित्सकों के संपर्क नंबर प्रदर्शित करने और मरीजों को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा तकनीकी सेवाओं के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

महागामा नगर पंचायत में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, जनसेवा का लिया संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डाः नगरपालिका (आम) चुनाव–2026 के तहत मंगलवार को डीआरडीए सभागार, गोड्डा में महागामा नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रवोध सोरेन एवं वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सभी वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों ने नगर पंचायत के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को महागामा नगर पंचायत में विकास और जनसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपायुक्त ने हिज़ला स्थित मूक-बधिर विद्यालय का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने हिज़ला स्थित मूक-बधिर विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय परिसर, कक्षाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों से बातचीत कर बच्चों की पढ़ाई, प्रशिक्षण व्यवस्था तथा दैनिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पंखा खराब पाया गया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को अविलंब पंखे की मरम्मत कराने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि विद्यालय में उपलब्ध सभी आधारभूत सुविधाएं सुचारू रूप से कार्यरत रहनी चाहिए।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि भवन, बिजली, पंखा, पेयजल एवं स्वच्छता जैसी सभी व्यवस्थाओं का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए और किसी भी प्रकार की खराबी पाए जाने पर तत्काल उसे ठीक कराया जाए।उन्होंने कहा कि मूक-बधिर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को विशेष देखभाल और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए विद्यालय प्रबंधन को सतत निगरानी रखते हुए सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने की आवश्यकता है।निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारी, विद्यालय प्रबंधन एवं कर्मी उपस्थित थे।

राजस्व मामलों में देरी पर डीसी सख्त, त्वरित निष्पादन के निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डाः समाहरणालय सभागार में सोमवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त अंजली यादव ने अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित और पारदर्शी निष्पादन के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा और सभी मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान भू-राजस्व, परिवहन, सहकारिता, उत्पाद, निबंधन, खनन, मत्स्य, नगर परिषद तथा लघु सिंचाई विभाग के कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया। उपायुक्त अंजली यादव ने भूमि सीमांकन, अवैध जमाबंदी और अतिक्रमण से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया। साथ ही परिवहन विभाग को वाहन कर वसूली में तेजी लाने और अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उत्पाद विभाग को अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर निगरानी बढ़ाने तथा नियमित छापेमारी अभियान चलाने को कहा गया।

खनन विभाग की समीक्षा के दौरान अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर परिषद के कार्यों की समीक्षा करते हुए नगर क्षेत्रों में राजस्व संग्रहण, साफ-सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल और जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण

क्या अब ये बात भरोसे के साथ कही जा सकती है कि न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? आखिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के जिक्र से बार एसोसिएशन के साथ-साथ प्रधान न्यायाधीश भी आहत हुए। पुस्तक में जिन चुनौतियों का उल्लेख है, उनमें विचाराधीन मुकदमों की विशाल संख्या, न्यायाधीशों की कमी, और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। न्यायपालिका में इससे इतनी नाराजगी फैली कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। कहा कि कि संस्था के प्रमुख के बतौर उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करना उनका कर्त्तव्य है। उधर बार एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि किताब में संसद में आपराधिक छवि के व्यक्तियों की मौजूदगी और शासन के दूसरे क्षेत्रों में मौजूद भ्रष्टाचार की चर्चा एनसीईआरटी ने क्यों नहीं की? चूंकि न्यायपालिका के पास अवमानना कार्यवाही की ताकत है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणियों का तुरंत असर हुआ। एनसीईआरटी ने संबंधित किताब पर अफसोस जताते हुए उसकी बिक्री तुरंत रोक दी और उस हिस्से को हटाने का एलान किया, जिस पर विवाद खड़ा हुआ। मगर क्या न्यायपालिका से जुड़े लोग ये बात भरोसे के साथ कह सकने की स्थिति में हैं कि अब उन्होंने अपनी संस्था की प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? क्या उनके लिए यह प्रश्न उठाना बेहतर नहीं होता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? क्या यह अधिक उचित एवं सकारात्मक नजरिया नहीं होता कि वे ऐसी धारणा की जड़ तक पहुंचेंगे और उसका निवारण करेंगे? इस बात से कोई इनकार नहीं है कि बात सभी जगहों पर मौजूद खामियों की होनी चाहिए। मगर एक जगह खामी है, तो उससे दूसरे स्थलों पर मौजूद बुराइयों को सही बताने का तर्क तो नहीं मिल जाता? सार्वजनिक लाभ के नजरिए से कहा जाता है कि धूप सर्वश्रेष्ठ कीटाणु नाशक है- यानी पारदर्शिता भूल-सुधार का आरंभिक उपाय है।

तीन साल में तीन आईसीसी ट्रॉफी: भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम दौर और खिलाड़ियों की मेहनत का ऐतिहासिक फल

कांतिलाल मांडोत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने केवल एक टूर्नामेंट नहीं जीता, बल्कि लगातार सफलता की ऐसी कहानी लिखी जिसने दुनिया को भारतीय क्रिकेट की ताकत का एहसास करा दिया। पिछले तीन वर्षों में तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतना इस बात का प्रमाण है कि टीम इंडिया ने निरंतरता, आत्मविश्वास और सामूहिक मेहनत से सफलता का नया अध्याय रचा है। भारत की इस शानदार जीत में बल्लेबाजों से लेकर गेंदबाजों तक सभी खिलाड़ियों का योगदान रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इतने बड़े लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 159 रन पर ही सिमट गई। इस प्रकार भारत ने न केवल जीत दर्ज की बल्कि टी-20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक शैली का शानदार प्रदर्शन भी किया। इस ऐतिहासिक जीत का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भारत ने तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां जीतने का कारनामा किया है। वर्ष 2024 में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर लगभग 17 वर्षों बाद इस खिताब को अपने नाम किया था। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी लय बरकरार रखी और अब 2026 में फिर से टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया। लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारत पहली टीम बन गई है और यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर को दर्शाती है। टीम इंडिया की सफलता के पीछे केवल प्रतिभा नहीं बल्कि खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और टीम भावना भी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने जिस आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, उसने विरोधी टीमों के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने 106 छक्के लगाए, जो किसी भी टी-20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम अब केवल तकनीकी रूप से मजबूत ही नहीं बल्कि आक्रामक क्रिकेट खेलने में भी सबसे आगे है।

इस शानदार प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान रहा भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का। संजू सैमसन ने पूरे टूर्नामेंट में 321 रन बनाए और भारत के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 2014 में 319 रन बनाए थे। संजू की बल्लेबाजी में आत्मविश्वास, आक्रामकता और जिम्मेदारी का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया, जिसने भारत को कई कठिन मैचों में जीत दिलाई। संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और फाइनल जैसे दबाव भरे मुकाबलों में भी उन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट लगभग 200 के आसपास रहा, जो टी-20 क्रिकेट के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। भारतीय टीम की बल्लेबाजी में इंसान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईशान किशन ने पूरे टूर्नामेंट में 317 रन बनाए और कई मैचों में तेज शुरुआत देकर टीम को मजबूत आधार दिया। वहीं अभिषेक शर्मा ने फाइनल में केवल 18 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह से दबाव में ला दिया। टीम इंडिया की गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में उतनी ही प्रभावशाली रही। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट हासिल किए। फाइनल मैच में उन्होंने केवल 15 रन देकर 4 विकेट लिए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में शानदार गेंदबाजी ने भारत की जीत को आसान बना दिया। यही कारण है कि उन्हें फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। भारतीय टीम की सफलता में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का योगदान भी बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने 200 से अधिक रन बनाए और साथ ही महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए। सेमीफाइनल में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई, जिसने टीम का आत्मविश्वास और भी मजबूत कर दिया। फाइनल मुकाबले में शिवम दुबे की छोटी लेकिन विस्फोटक पारी भी बेहद अहम साबित हुई। जब भारत की पारी थोड़ी धीमी पड़ती दिखाई दे रही थी, तब शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज रन बनाकर टीम का स्कोर 255 तक पहुंचा दिया। उनकी केवल 8 गेंदों में 26 रन की पारी ने न्यूजीलैंड के सामने बेहद मुश्किल लक्ष्य खड़ा कर दिया। इस पूरी सफलता के पीछे टीम के कोच गौतम गम्भीर की रणनीति और मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। गंभीर पहले खिलाड़ी के रूप में बड़े फाइनल मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और अब कोच के रूप में भी उन्होंने टीम को सफलता दिलाई है। उनकी सोच, रणनीति और खिलाड़ियों पर विश्वास ने टीम को लगातार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। भारतीय टीम की इस जीत ने पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। जीत के बाद देशभर में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। कई जगहों पर आतिशबाजी हुई और लोग तिरंगा लेकर खुशी से झूमते नजर आए। यह जीत केवल खिलाड़ियों की नहीं बल्कि पूरे देश की जीत बन गई। दरअसल, खेल केवल प्रतिभा का नहीं बल्कि मेहनत, धैर्य और टीम भावना का परिणाम होता है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती के साथ खुद को तैयार किया और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। यही कारण है कि उनकी मेहनत का फल अब लगातार जीत के रूप में सामने आ रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा का प्रतीक है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी कि अगर मेहनत, समर्पण और टीमवर्क के साथ खेला जाए तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। भारतीय क्रिकेट टीम ने इस जीत के साथ दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह केवल मजबूत टीम ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट की नई शक्ति बन चुकी है। खिलाड़ियों की मेहनत, कोच की रणनीति और करोड़ों भारतीयों के समर्थन ने मिलकर यह ऐतिहासिक सफलता संभव बनाई है। यही कारण है कि आज हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि यह जीत मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है।

धैर्य - कितना और कब तक

डॉ. प्रशान्त करण

साधो! मनुष्यों की साँसों की यात्रा के दृश्यों को धैर्य मापने के यंत्र से देखें, तो विकट अनुभव हुआ करते हैं। धैर्यवान पुरुष और नारियाँ अधिक धैर्य से प्रताड़ना के तट पर मिलते हैं—पृथक-पृथक, नितांत अकेले। वहीं धैर्य मापक यंत्र में शून्य अंक वाले अधीरता से सफलता के साथ सम्पन्नता के महलों की सीढ़ियों पर खटाखट चढ़ते पाए जाते हैं। लेकिन इनमें से अधिकतर दुःख की पनघट पर आँखों के खारे जल में डूबे भी रहते हैं। उनके धैर्य मापक यंत्र शून्य बताते हैं। धैर्य में संतुलन रखने जीवन संतुलित कर वर्तुल की तरह सुख-दुःख के बीच झूलते रहते हैं। इन तीनों परिस्थितियों में बहुमत अवसाद के पक्ष में है। साधो! तत्व प्रश्न यह है कि धैर्य कितनी मात्रा में रखी जाए और उसकी कालावधि के सिद्धांत क्या हैं?

साधो! हिंसक पशुओं को देखो, तो पाओगे कि वह शिकार पकड़ने की प्रक्रिया में असीम धैर्य रखता है और शिकार को पकड़ते ही अपने धैर्य को त्याग कर देता है। वहीं शाकाहारी पशु शिकार होने तक अधैर्य की अवस्था में बेचैन रहता है। अधैर्य भय देता है, तो वहीं धैर्य शक्ति और सफलता ही नहीं, दुःख-विषाद भी देता है। मनुष्य भय से लड़ भी ले अथवा डर-डर कर जी भी ले, लेकिन दुःख-विषाद के फेरे में कौन पड़े!

साधो! एक कथा से विषय की गूढ़ता को समझो। ज्ञानचंद धैर्यवान थे। आठ बार आठवीं कक्षा में अनुतीर्ण हुए, लेकिन धैर्य नहीं छोड़ा। नौवीं बार धैर्यपूर्वक नकल कर उत्तीर्ण हुए, तो पूरा विद्यालय और परिवार दोनों अवाक! उनके पिता धनीचंद आठवीं दुकान बिकने तक भी धैर्यवान थे। अब घर बिकने की नौबत आयी, तो उनका धैर्य डगमगाने लगा। पत्नी ने सलाह दी कि सम्पत्ति तो आती है, जाती है, लेकिन धैर्य न टूटे। परिणामस्वरूप घर भी बिका। अब पड़ोसी राधेश्याम ने दया दिखाते हुए उन्हें अपने घर में स्थान दिया। धनीचंद ने धैर्य नहीं छोड़ा। राधेश्याम के तीर्थ जाते ही धैर्यपूर्वक राधेश्याम के पूरे घर पर अधिपत्य जमा लिया। पत्नी-वियोग में धैर्य रखते हुए राधेश्याम की पत्नी से यह कहकर विवाह कर लिया कि तीर्थ से राधेश्याम अब न लौटेंगे, कह कर गए हैं कि साधु बनेंगे। नियत समय राधेश्याम लौटे, तो उन्हें नकली राधेश्याम बताकर धैर्यपूर्वक खदेड़ दिया। अब फिर धैर्य से राधेश्याम के सारे खेत-खलिहान अपने नाम कर लिया।

उधर राधेश्याम को धैर्य न था। उसने धनीराम पर आक्रमण कर दिया। अधैर्य में राधेश्याम कारागार पहुँच गया। अब उसने धैर्य सीखा। अब कारागार से छूट कर साधु के वेश में घर गया। धनीराम साधु से प्रभावित हो अपने घर में शरण दी। धैर्य से धनीराम ने राधेश्याम को बहला-फुसलाकर तीर्थ भेजा। अब उसी धैर्य से उसने अपनी पत्नी, घर, खेत-खलिहान पा लिया। इस कथा को सुनाकर बेताल ने राजा विक्रमादित्य से प्रश्न किया—धैर्य कितना और कब तक? राजन ने बेताल को क्या उत्तर दिया, पता नहीं। लेकिन साधो! धैर्य मापक तुला में चतुराई और धूर्तता का बट्टा लगा दो, तो लाभ ही लाभ है! जैसे उनके दिन फिरे, सबके दिन फिरें।

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

ललित गर्ग

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए। कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है, वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, चिंता, अवसाद, ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था।

मेष राशि: आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगाएंगे। आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी भागीदारी रहेगी। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं बाधाएं दूर होंगी। विद्यार्थियों की मेहनत आज रंग लाएगी।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद होने के असार है। आपके क्रोध के कारण बना हुआ काम.. बिगड़ भी सकता है, इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि: आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आपकी सेहत अच्छी होगी। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। यदि आज आप नया व्यवसाय शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ साथ ही आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद भी मिलेगी। उधार के पैसे आज वापस मिल सकते हैं। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आज आपके करियर में सार्थक बदल ला सकती है।

सिंह राशि: आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके फेवर में आयेगा।

कन्या राशि: आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आप अपने कुशल प्रबंधन से रोजगार के नए संसाधन विकसित करने में सफल होंगे। आज कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करने अपनी प्रतिभा का उचित प्रदर्शन से सभी को स्तब्ध कर देंगे। अपने काम और वैवाहिक जीवन के मध्य संतुलन बनाकर रखें। आपके मिलनसार स्वभाव से लोग बहुत प्रभावित आपका मन सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वुमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार उत्सव जैसा वातावरण हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको केटरिंग के व्यवसाय में बड़ा ऑफर मिलने से बढ़िया धन लाभ होने की संभावना है।

धनु राशि: आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद लाभ का योग बन रहा है। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएं अपने बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएगी।

मकर राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप स्वास्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने गुरुजनों का भरपूर साथ और सहयोग मिलेगा। आज आपको घर को डेकोरेट करने का मन करेगा और आप ऐसा करेंगे भी।

कुंभ राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनाएंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी।

मीन राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज शाम दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे।

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच भारत की रसोई गैस सुरक्षा पर बड़ा संकट

अजय कुमार

पश्चिम एशिया में भड़का युद्ध अब केवल भू-राजनीति का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे भारत की रसोई और अर्थव्यवस्था तक पहुंच चुका है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। इसी खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने रसोई गैस यानी एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए असाधारण कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू खपत के लिए आरक्षित करने का फैसला किया है। यह कदम बताता है कि संकट की स्थिति में सरकार की पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की रसोई को सुरक्षित रखना है। भारत की ऊर्जा संरचना का एक बड़ा सच यह है कि देश अपनी जरूरतों के मुकाबले एलपीजी का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में भारत में कुल 31.3 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन केवल 12.8 मिलियन टन रहा। यानी देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात के सहारे पूरा होता है। यही वजह है कि जब भी खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है तो उसका असर सीधे भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है।भारत के लिए यह निर्भरता इसलिए भी जोखिमपूर्ण है क्योंकि एलपीजी का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। अनुमान है कि भारत के एलपीजी आयात का लगभग 85-90 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से आता है। इन सभी देशों से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जो विश्व ऊर्जा व्यापार की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री गलियों में से एक है। जब यह मार्ग युद्ध या तनाव के कारण बाधित होता है तो पूरी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो जाती है।मौजूदा संघर्ष में भी यही स्थिति पैदा हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस समुद्री मार्ग में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल और गैस बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है और कई देशों ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। भारत ने भी इसी पृष्ठभूमि में एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन प्रावधानों का सहारा लिया है।

सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर नियंत्रित करने का फैसला किया है। इसके तहत घरेलू रसोई गैस की सप्लाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति को भी 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा उर्वरक संयंत्रों को लगभग 70 प्रतिशत और उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने की व्यवस्था तय की गई है।इन कदमों का उद्देश्य स्पष्ट है अगर ऊर्जा संकट गहराता है तो सबसे पहले घरों और परिवहन क्षेत्र को गैस मिलेगी, उसके बाद उद्योगों और अन्य क्षेत्रों को। सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग नियम भी लागू किया है, ताकि कोई भी उपभोक्ता तय समय से पहले सिलेंडर बुक न कर सके।लेकिन इस नीति का असर व्यावसायिक क्षेत्रों पर दिखने लगा है। देश के कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति घटने लगी है। होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस की सप्लाई 10 से 20 प्रतिशत तक कम हो गई है। इससे खासतौर पर छोटे और मध्यम आकार के होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ा दबाव पड़ा है, जो रोज मिलने वाली गैस सप्लाई पर ही निर्भर रहते हैं।कुछ शहरों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि होटल संगठनों ने कारोबार बंद होने की चेतावनी तक दे दी है। उनका कहना है कि अगर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं होती तो कई रेस्टोरेंट अगले कुछ दिनों में बंद होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसका असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और ग्राहकों पर भी पड़ेगा जो रोजमर्रा के भोजन के लिए इन प्रतिष्ठानों पर निर्भर हैं।सरकार ने इस समस्या को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति भी बनाई है। यह समिति होटल, रेस्टोरेंट और अन्य उद्योगों की गैस जरूरतों की समीक्षा करेगी और तय करेगी कि सीमित संसाधनों के बीच इन क्षेत्रों को कितनी आपूर्ति दी जा सकती है।

दरअसल यह संकट केवल तत्कालीन आपूर्ति का नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का भी सवाल है। पिछले एक दशक में देश में एलपीजी की खपत तेजी से बढ़ी है। उज्ज्वला योजना और शहरीकरण के कारण करोड़ों नए परिवार गैस पर निर्भर हो गए हैं। यही वजह है कि एलपीजी की मांग लगातार बढ़ रही है और आयात पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए कई स्तरों पर तैयारी करनी होगी। सबसे पहला कदम घरेलू उत्पादन बढ़ाने का है। इसके लिए नई रिफाइनरियों, गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों और पेट्रोकेमिकल ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना है, ताकि खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।इसके अलावा एलपीजी के रणनीतिक भंडार तैयार करने की जरूरत भी लंबे समय से महसूस की जा रही है। जिस तरह भारत ने कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडारण बनाए हैं, उसी तरह एलपीजी के लिए भी बड़े भंडार तैयार किए जाएं तो संकट की स्थिति में कुछ महीनों तक घरेलू जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है।पश्चिम एशिया का मौजूदा युद्ध शायद कुछ समय बाद खत्म हो जाए, लेकिन इसने भारत को एक अहम सबक जरूर दिया है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा सवाल है। जब वैश्विक भू-राजनीतिक संकट पैदा होता है तो उसका असर सबसे पहले आम नागरिक की रसोई पर पड़ता है। भारत के सामने चुनौती यही है कि वह इस संकट को चेतावनी के रूप में ले और अपनी ऊर्जा नीति को अधिक मजबूत और आत्मनिर्भर बनाए। क्योंकि जब तक देश अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहेगा, तब तक दुनिया के किसी भी कोने में भड़की आग उसकी रसोई तक पहुंचती रहेगी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

टी–20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ईशान किशन पहुंचे पटना, अपने भतीजे के साथ खेलते दिखे क्रिकेट

पटना। T-20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ईशान किशन मंगलवार को पटना पहुंचे हैं। पटना पहुंचते ही उनका स्वागत किया गया। एक बच्चे ने उन्हें माला पहनाया। ईशान किशन ने बच्चे को किस भी किया। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है कि हमारी इंडिया टीम जीती है। ये हमारे पूरे देश के लिए बहुत अच्छी बात है। हम उम्मीद करते हैं कि आगे ऐसे ही हम क्रिकेट खेलते रहे और जीतते रहे। अगर मैं अच्छा करूंगा तो यहां से जो भी युवा क्रिकेट में जाना चाहते हैं, उनके लिए एक मोटिवेशन होगा। मैं अपनी तरफ से हमेशा कोशिश करता हूं कि जितने प्लेयर हर जगह से बढ़ सकते हैं, वह बढ़े। अभी हम लोगों ने वर्ल्ड कप खेला है। आपको बस मेहनत करना है, कहीं से भी आप आगे बढ़ सकते हैं। आगे भी खेलते रहना है, जीतते रहना है। वहीं, अपने भतीजे के साथ क्रिकेट भी खेली। खुद बॉलिंग करते दिखे और भतीजा बेटिंग कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसे ही खेलते रहना है। ईशांन किशन हाईकोर्ट के वकील अजय ठाकुर के घर पहुंचे। अपने मौसेरी बहन वैष्णवी सिंह और उनके पति ऋत्विक ठाकुर की सड़क दुर्घटना में मौत होने के बाद परिवार वालों को सांत्वना देने आए हैं। टी–20 वर्ल्डकप फाइनल में ईशान किशन ने 24 बॉल पर 54 रन बनाया था। ईशान ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए थे। 16वें ओवर के 5वीं बॉल पर ईशान किशन आउट हो गए थे। टीम इंडिया की जीत के बाद ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीर सामने आई थी। इसमें वो ईशान को निहारती दिख रही थी।

दूसरी शादी की तो मैं सुसाइड कर लूंगी, लिवइन रिलेशन में रहने के बाद थानेदार ने गर्लफ्रेंड को छोड़ा

पटना। सीतामढ़ी के एक थानेदार ने अपनी गर्लफ्रेंड को छोड़ दिया है। एक ऑडियो सामने आया है। उसके अनुसार दोनों 8 साल तक लिवइन रिलेशन में रहे। थानेदार पर आरोप है कि उसने लड़की को शादी का झांसा दिया था। लड़की को 7 मार्च को पता चला कि उसका बॉयफ्रेंड किसी दूसरी लड़की के साथ शादी कर रहा है। उसका तिलक हो चुका है। पीड़िता ने अपने बॉयफ्रेंड का फोटो उस लड़की के साथ देख लिया था। जिसके बाद लड़की ने विरोध जताया। लड़की का कहना है कि अगर शादी दूसरी जगह की तो मैं सुसाइड कर लूंगी। मुझे तुस्हारे साथ ही रहना है। वायरल ऑडियो 1 मिनट 49 सेकंड का है। इसमें छात्रा थानेदार से पूछ रही है कि तुमने अपनी मां से मेरी बात क्यों नहीं कराई। तुम छिप कर शादी क्यों कर रहे हो। मैंने उस लड़की की फोटो तुम्हारे साथ देख ली है। तब मुझे पता चल चुका है। नहीं तो मुझे पता भी नहीं चलता तुम वैसे ही मुझे रखे रहते। इसपर थानेदार कहता है कि ये सब छिपने वाली बात है क्या। छात्रा कहती है मैंने तुम्हें अपना 8 साल दिया है। वो लड़की तुम्हारे साथ नहीं रहेगी। मेरे साथ शादी नहीं करोगे तो मैं सुसाइड कर लूंगी। अब मुझे कोई मोह माया नहीं है। शास्त्री नगर थानेदार रविंद्र कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पीड़ित लड़की को थाने पर बुलाया गया है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

राजेंद्रनगर हॉकी मैदान, नीदरलैंड से मंगाया एस्ट्रोटर्फ बिछाया जा रहा

पटना। राजेंद्र नगर स्थित एनसीसी कैंपस में बन रहे आधुनिक हॉकी टर्फ को हॉकी इंडिया फेडरेशन की आधिकारिक मंजूरी मिल चुकी है। बिहार अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बुडको) यह मैदान बना रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। करीब 8.44 करोड़ की लागत से बन रहे इस हॉकी टर्फ में नीदरलैंड से आयातित पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ बिछाया जा रहा है। यह खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सतह उपलब्ध कराएगा। मैदान में उन्नत जल प्रबंधन प्रणाली और अत्याधुनिक संरचना विकसित की जा रही है, जिससे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावना भी बढ़ेगी। फेडरेशन के अधिकारियों ने निर्माणाधीन मैदान का निरीक्षण किया। इसके बाद बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। नियमित स्थल निरीक्षण कर कार्य की वास्तविक स्थिति देखी जाए। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार मैदान का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बेस स्ट्रक्चर, एलईडी फ्लड लाइट व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली का काम लगभग समाप्त हो गया है। अब पाथ-वे, स्प्रिंकलर सिस्टम और टर्फ बिछाने का कार्य शेष है। मैदान में रात के समय अभ्यास और मैचों के आयोजन के लिए 20 उच्च क्षमता वाली 1000 वाट और 40 एलईडी फ्लड लाइट (500 वाट) लगाई जा रही है। 100 मीटर लंबे और 60 मीटर चौड़े खेल क्षेत्र वाले इस मैदान का फेंसिंग क्षेत्र 104 मीटर × 64 मीटर होगा। छोटे स्तर के मैचों के लिए करीब 25 दर्शकों की क्षमता वाली दर्शक दीर्घा भी बनाई जा रही है। राजगीर के बाद यह बिहार का दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी मैदान होगा, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का अवसर मिलेगा।

वैशाली में बेकाबू ऑटो पलटी, 10 लोग घायलःशादी से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे यात्री

हाजीपुर। वैशाली में एक बेकाबू ऑटो पलटने से 10 लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी यात्री एक शादी समारोह से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। घायलों में महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल हैं। हादसे के बाद घायलों को इलाज करने के बजाय दीवार की बाउंड्री पर लेटा दिया गया। अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं मिलने और स्वास्थ्य कर्मियों की कथित लापरवाही को लेकर घायलों ने आरोप लगाए हैं। घायलों में गिरिजा देवी (पति सीताराम पासवान), सोना देवी (पति जीतन पासवान), चिंता देवी (पति संजीत पासवान), सुलेखा देवी (पति कपल पासवान), चिनिया देवी (पति देवनारायण पासवान), मुनचुन देवी (पति बिरजू पासवान) और सत्यम कुमार (पिता चंदन पासवान) शामिल हैं। ये सभी वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के निवासी हैं। बिरजू पासवान के बड़े बेटे की शादी 13 मार्च को होनी थी, जिसके लिए परिवार के सदस्य और अन्य लोग गंगा स्नान करने जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल गिरिजा देवी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। एक घायल के पुत्र ने बताया कि वे शादी समारोह में शामिल होने आए थे और घर की महिलाएं गंगा स्नान के लिए जा रही थीं, तभी ऑटो पलट गया। ऑटो में आठ से दस लोग सवार थे, जो सभी दुर्घटना का शिकार हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया, जहां कथित तौर पर डॉक्टर डेढ़ घंटे से नदारद थे। घायलों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। सभी घायल दर्द से कराह रहे थे, किसी का हाथ टूटा था तो किसी का पैर, और किसी के सर में चोट लगी थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी चीख-पुकार सुनने वाला कोई नहीं था।

बिहटा में ईएसआईसी का 75वां स्थापना दिवस समारोह

एजेंसी, पटना

बिहटा स्थित ESIC अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज परिसर में ESIC का 75वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में एक नए ऑपरेशन थिएटर (OT) और नवजात गहन चिकित्सा इकाई (NICU) वार्ड का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के मंत्री संजय सिंह टाइगर, कृषि मंत्री रामकृपाल यादव और स्थानीय विधायक भाई वीरेंद्र सहित विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे। श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर ने नए OT और NICU वार्ड का उद्घाटन किया। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण भी किया और मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।

डीन ने कॉलेज की उपलब्धियों की जानकारी दीः ESIC अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विनय विश्वास ने उपस्थित मंत्रियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने मंत्रियों को बिहटा ESIC अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज की उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान ESIC के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी सम्मानित किया गया। 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा, ESIC संस्थान के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 75 वर्षों में ESIC ने सामाजिक और देश के हित में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिससे श्रमिक, मजदूर और गरीब वर्ग के लोग लाभान्वित हुए हैं।

श्रम संसाधन मंत्री बोले–बिहार सरकार इसे और बेहतर बनाएगीः मंत्री ने आगे कहा, बिहार के लोग भी इस संस्थान से काफी लाभ उठा रहे हैं। इसका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों सहित हर जगह देखा जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिहार सरकार इस संस्थान को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

♦ श्रम मंत्री ने कहा- संस्थान के प्रति लोगों का बढ़ रहा विश्वास

है, जो भी कमियां हैं, उन्हें जल्द दूर किया जाएगा। साथ ही बिहटा में ईएसआईसी अस्पताल के अलावा मेडिकल कॉलेज भी खुल चुका है जिससे बिहार के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से भी बच्चे मेडिकल की पढ़ाई करने आ रहे हैं। बिहार सरकार भी इसे और बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

भाई वीरेंद्र ने बोला हमलाः कार्यक्रम से बाहर निकलने के बाद विधायक भाई वीरेंद्र ने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर कहा, जिंदा चमड़ी सप्लाई करने वाले ही तय करते हैं कि सीएम कौन बनेगा, पीएम कौन बनेगा और मंत्री कौन बनेगा। आज के डेट में जो भूंजा पार्टी के लोग हैं, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हटाने का काम किया है।

बिहटा में मंदिर से आभूषण चोरी, महिला पकड़ाई, चोरी का सामान ज्वेलरी शॉप में बेचा

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में देवी स्थान मंदिर से मां दुर्गा के आभूषण चोर ले गए थे। पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया है। ग्रामीणों के सहयोग से पकड़ी गई महिला के पास से चोरी के सामान बरामद नहीं हुए हैं। महिला ने बताया कि चोरी का सामान एक आभूषण दुकान में बेचा है, फिलहाल आभूषण दुकान का पता लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने जब महिला को पकड़ा तो काफी हंगामा हुआ। सूचना पर पुलिस भी पहुंची और महिला को सुरक्षित भीड़ से निकालकर थाने ले गई। पुलिस फिलहाल महिला से पूछताछ कर रही है। घटना बिटहा थाना क्षेत्र के किशुनपुर गांव स्थित देवी स्थान मंदिर की है।

घटना के संबंध में स्थानीय ग्रामीण रणजीत सिंह ने बताया कि 18 फरवरी को गांव के देवी स्थान में कई महिलाएं पूजा कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला पूजा करने के बहाने मंदिर में घुसी और पहले मां की 2 सोने की आंखें निकाल लीं। इसके बाद उसने मंदिर में रखे अन्य आभूषण और सामान भी चुरा लिए और फरार हो गई।

50 साल से ज्यादा पुराना है मंदिरः आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पता चला कि एक

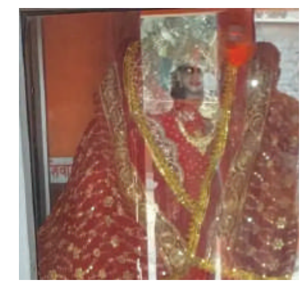

❒ दुकान का पता लगा रही पुलिस

महिला ने इस घटना को अंजाम दिया था। बाद में ग्रामीणों ने उसी महिला को गांव में देखा, जिसके बाद उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरफ्तार महिला मनेर थानाक्षेत्र के गयासपुर की रहने वाली है। रणजीत सिंह ने बताया कि गांव का यह प्राचीन मंदिर लगभग 50 साल से अधिक का है और इस गांव के सभी लोग इस मंदिर में पूजा करते हैं, लेकिन चोरी की घटना के बाद से अब मंदिर में ताला लगाया जा रहा है। घटना को लेकर थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि किशूनपुर गांव के देवी स्थान में मां के आभूषण चोरी के मामले में एक महिला को पकड़ा गया है। जिसके बाद महिला से पूछताछ की जारी है।

राजेंद्र सेतु के नीचे अज्ञात शख्स की मिली लाश, बॉडी पर नहीं मिले चोट के निशान

शख्स ने पहना था ब्लू-ब्लैक टी-शर्ट और काला ट्राउजर

एजेंसी, पटना

मोकामा के हाथीदह थाना क्षेत्र में राजेंद्र सेतु के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। हाथीदह थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने तत्काल अपर थानाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वर्मा के नेतृत्व में एक टीम घटनास्थल पर भेजी। पुलिस टीम को शव राजेंद्र सेतु के पिलर संख्या-2 के पास पड़ा मिला। पुलिस ने तत्काल आसपास के क्षेत्र को बैरिकेड कर सुरक्षित किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया।

मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं, जिससे मामला पेचीदा हो गया है। पुलिस के अनुसार, शख्स ने काले रंग का ट्राउजर और ब्लू-ब्लैक टी-शर्ट पहन रखी थी और उसके पैरों में सेफ्टी शू थे।

पुलिस शख्स की पहचान में जुटीः तथ्यों के आधार पर पुलिस

आशंका जता रही है कि मृतक आसपास के किसी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में काम करने वाला मजदूर हो सकता है। पुलिस की एक अन्य आशंका यह भी है कि व्यक्ति संभवतः रेल ट्रैक के आसपास से या किसी ट्रेन से गिर गया हो। हालांकि, शरीर पर बाहरी चोट के निशान न मिलने से यह संभावना पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने की कोशिश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है, जिससे मौत के कारणों का पता चल सके।

राजेंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के लिए खुदाई 12 मार्च से होगी, रेलवे ने दी एनओसी

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन राजेंद्र नगर के लिए टनल खुदाई का काम 12 मार्च से शुरू होगा। रेलवे ने पटना मेट्रो को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) दे दिया है। अब मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल के बीच लगभग 800 मीटर तक टनल निर्माण के लिए खुदाई शुरू हो जाएगी। रेलवे से अनुमति मिलने के बाद दिसंबर 2025 से रुका हुआ निर्माण काम अब दोबारा गति पकड़ेगा। दरअसल, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल होते हुए मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन के पहले तक लगभग 1800 मीटर लंबी टनल तैयार की जानी है।

इस हिस्से में खुदाई के लिए पटना मेट्रो ने 2 टनल बोरिंग मशीन (TBM) को लगाया था और काम तेजी से चल रहा था, लेकिन रेलवे से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा। राजेंद्र नगर टर्मिनल के पहले रेलवे लाइन के पास टनल बनाने के लिए रेलवे की अनुमति जरूरी थी। अब 3 महीने बाद फिर काम को शुरू किया जाएगा।

राजेंद्र नगर टर्मिनल को विकसित करने की रेलवे कर रहा प्लानिंगः मोइनुल हक स्टेडियम से शुरू हुई टनल पटना-हावड़ा मेन रेलवे लाइन के नीचे से गुजरते हुए राजेंद्र नगर टर्मिनल के नीचे से पार करेगी। इसके बाद यह कंकड़बाग ओल्ड बाइपास के नीचे बन रहे राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन तक पहुंचेगी। हालांकि, रेलवे भी राजेंद्र नगर टर्मिनल को विकसित करने की

❒ मोइनुल हक स्टेडियम से टर्मिनल के बीच 800 मीटर का टनल

योजना पर काम कर रहा है। टनल के एलॉयनमेंट का टर्मिनल के विकास पर होने वाले प्रभाव पर मंथन, सुरक्षा मानकों और भविष्य की योजनाओं का तकनीकी परीक्षण करके रेलवे ने पटना मेट्रो को एनओसी दिया है।

मोइनुल हक स्टेडियम से पटना विश्वविद्यालय टनल तैयारः पटना मेट्रो कॉरिडोर-2 में पहले भी कई हिस्सों में टनल निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है। मोइनुल हक स्टेडियम से पटना विश्वविद्यालय के बीच लगभग 1480 मीटर लंबी टनल तैयार की जा चुकी है। वहीं, गांधी मैदान से आकाशवाणी होते हुए पटना जंक्शन तक करीब 1450 मीटर में टनल का निर्माण भी पूरा हो गया है।

गिरिराज बोले, राहुल गांधी छोटा पजामा क्यों पहनते हैं, कांग्रेस ने मोदी को हाफ पैंट में दिखाया

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के पहनावे पर तंज कसा था। वीडियो में राहुल गांधी संसद परिसर में दिख रहे हैं। गिरिराज ने वीडियो पर लिखा था राहुल गांधी इतना छोटा पजामा क्यों पहनते हैं। इस पर एक यूजर ने लिखा आपको बकैती के अलावा शायद कुछ आता हो, शर्म धोकर पी गए हैं। इसके अलावा बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने गिरिराज सिंह के पोस्ट को रिट्वीट किया है। राजेश राम ने नरेंद्र मोदी की फोटो पोस्ट की, जिसमें नरेंद्र मोदी हाफ पैंट में दिख रहे हैं, जो कि आरएसएस का एक प्रमुख ड्रेस है।

राजेश राम ने भी मोदी जी के पजामे का साइज पूछ लिया। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा इसका भी साइज बता दीजिए गिरीराज सिंह जी। यह तस्वीर काफी पुरानी है जिसे उन्होंने पोस्ट किया है।

बेगूसराय में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगवा दोः गिरिराज सिंह के पोस्ट पर यूजर प्रणव ने लिखा है कि बेगूसराय में टेक्सटाइल फैक्ट्री लगवा दो, पजामा बड़ा बन जाएगा। इतनी बार एमपी रह चुके हैं, शर्म नहीं आती। यूजर चौधरी संजीव ने लिखा है कि वाह कितना आवश्यक मुद्दा उठाया है आपने। देश में इससे

❒ यूजर बोले- आपको बकैती के अलावा कुछ आता है

बड़ा मुद्दा हो ही नहीं सकता। न बेरोजगारी, न भ्रष्टाचार, न शिक्षा और न स्वास्थ्य। सबसे जरूरी मुद्दे पर आपकी पारखी नजर राहुल गांधी का पजामा।

झटका सिंह, बिहार में मशीनें लगवाइएः यूजर मोहित सिंह ने लिखा झटका सिंह जी, बिहार में मशीनें लगवाइए और धागे सुलझाइए! एक शानदार टेक्सटाइल पार्क खड़ा करके राहुल गांधी के लिए ऐसी फुल पैंट तैयार करें कि फिटिंग देख कर विरोधी भी दंग रह जाएं।

बेगूसराय-जहानाबाद में बादल, 20 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

एजेंसी, पटना

बेगूसराय और जहानाबाद में आज यानी मंगलवार सुबह हल्के बादल छाए हैं, जबकि नालंदा में धुंध है। बिहार के 20 जिलों में आज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र की माने तो अगले 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवा, बादल और हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 40KM/H की स्पीड से हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने, खुले स्थानों से दूर रहने और बिजली गिरने की स्थिति में सुरक्षित जगहों पर रहने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पटना समेत कई जिलों में हल्के

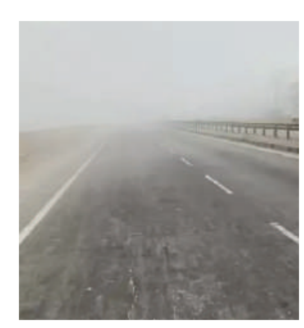

बादल छाए रहे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे मुख्य वजह पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना है। पश्चिमी विक्षोभ मध्य सागर के आसपास के क्षेत्रों से उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में एक्टिव हो रहा है। इसके प्रभाव से हिमालयी क्षेत्रों में बादल, बारिश और बर्फबारी होती है। जिसका असर मैदानी इलाकों के मौसम पर भी पड़ता है।

एमएलए-एमएलसी के साथ तेजस्वी ने की मटन पार्टी

एजेंसी, पटना

बिहार में 5 सीटों पर राज्यसभा चुनाव होने वाला है। NDA ने पांचों सीटों पर जीत का दावा किया है। हालांकि, राजद ने अपने एक कैंडिडेट को खड़ा किया है। इसको लेकर राजद इंडिया गठबंधन के सभी विधायकों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को अपने आवास पर बैठक की। बैठक के जरिए मटन पार्टी की है। इस बैठक में बीएसपी और AIMIM के विधायकों को भी बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे हैं। हालांकि, तेजस्वी ने सहयोगी दलों के साथ बैठक कर चुनाव पर चर्चा की।

मिली जानकारी के अनुसार, तेजस्वी ने सभी विधायकों को निर्देश दिया है कि मतदान के दिन सभी दलों के विधायकों को समय पहुंचना है। मतदान में किसी तरह की चूक ना हो। राज्यसभा चुनाव

राज्यसभा चुनाव को लेकर की बैठक, भाई वीरेंद्र बोले- सब एकजुट, हम जीतेंगे

में एक एक वोट कीमती है। वहीं, राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'राज्यसभा चुनाव को लेकर बैठक हो रही है। राजद उम्मीदवार के पास संख्या बल पूरी है। हमारे पास 41 विधायक हो चुके हैं। हम चुनाव जीत रहे हैं। AIMIM के समर्थन पर कहा सभी साथ आएंगे। निर्विरोध के बजाए चुनाव होने पर भाई वीरेंद्र ने कहा, देश चलाने वाले लोग जिंदा चमड़े का सप्लायर हो गए हैं।

बुजुर्गों का नहीं हो रहा घर-घर इलाज

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की बुजुर्गों को घर बैठे इलाज देने की 'डोर स्टेप हेल्थकेयर' योजना फिलहाल कागजों तक ही सीमित है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को घर पर ही नर्सिंग सेवा, ईसीजी, ब्लड टेस्ट और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों को अस्पतालों के बार-बार चक्कर लगाने से बचाना है। हालांकि, राजधानी के बड़े सरकारी अस्पतालों की स्थिति इन दावों से अलग है। आईजीआईएमएस, पीएमसीएच और एनएमसीएच जैसे अस्पतालों में बड़ी संख्या में बुजुर्ग मरीज सुबह से ही ओपीडी की लंबी कतारों में इलाज का इंतजार करते दिखे।

पीएमसीएच में लंबी भीड़, चक्कर लगा रही हूं लखीसराय से आईं 67 वर्षीय मारो देवी पीएमसीएच में इलाज के लिए पहुंची। मारो देवी ने बताया कि मुझे पिछले कई महीनों से पेशाब में तकलीफ है। चार महीने से अलग-अलग अस्पतालों का चक्कर लगा रही हूं। सोमवार सुबह वह पीएमसीएच पहुंची, लेकिन यहां भी लंबी भीड़ है। डॉक्टर के पास जाने के लिए इंतजार करना पड़ रहा आईजीआईएमएस पहुंची 70 वर्षीय

धर्मपति देवी ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे से ही अस्पताल में अलग-अलग काउंटरों का चक्कर लगा रही हूं। काफी देर बाद किसी तरह पर्ची कटवा पाई हूं। और अब डॉक्टर के पास जाने के लिए ओपीडी में इंतजार करना पड़ रहा। इलाज हो पाएगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है।

एक विभाग से दूसरे विभाग पैदल जाना मुश्किल हैः पटना के रहने वाले 65 वर्षीय विष्णु देव राय अपनी पत्नी और बेटी के साथ पीएमसीएच इलाज के लिए पहुंचे। चलने फिरने में असमर्थ उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग तक पैदल जाना मुश्किल हो रहा था। उनकी बेटी उन्हें सहारा देकर विभिन्न काउंटरों तक ले जा रही थी।

500 बेड का अस्पताल शुरू होते ही व्यवस्था शुरू होगीः पीएमसीएच के अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि व्यवस्था को जल्द ही धरातल पर लाया जाएगा, बुजुर्गों को एक छत के नीचे इलाज की सारी सुविधाएं दी जाएगी। सितंबर तक अस्पताल में सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 500 बेड का अस्पताल शुरू होते ही बुजुर्गों के लिए विभाग की व्यवस्था जल्द की जाएगी ताकि उन्हें भटकना न पड़े। डॉक्टर की कमी के कारण अलग से ओपीडी शुरू नहीं वहीं. एनएमसीएच में जेरियाट्रिक विभाग में फिलहाल केवल एक डॉक्टर ही कार्यरत हैं। इसके कारण अलग से ओपीडी शुरू नहीं हो सकी है। मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने बताया कि अभी बुजुर्ग मरीजों को मेडिसिन विभाग के तहत ही देखा जा रहा है। बाद में अतिरिक्त चिकित्सकों की नियुक्ति होने पर अलग ओपीडी शुरू की जाएगी।

♦ 'डोर स्टेप हेल्थकेयर' योजना के बाद भी अस्पताल के चक्कर काट रहे मरीज, काउंटर पर रहती लंबी लाइन

संक्षिप्त समाचार

जंगल में पेड़ से लटकता मिला महिला का शव, जमीन को छू रहा था पैर; घर से नाराज होकर निकली थी

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के खाड़पाथर के जंगल में सोमवार की सुबह शुकवरिया देवी (42) का शव पेड़ के सहारे फंदे से लटकता मिला। महिला के घुटने जमीन को छू रहे थे। वह रविवार की शाम नाराज होकर घर से निकली थी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। खाड़पाथर के जंगल की ओर सोमवार की सुबह कुछ लोग टहलने के लिए गए थे। वहां पेड़ के सहारे महिला का शव लटकता देख सन्न रह गए। कुछ ही देर में भीड़ जुट गई। पुलिस ने खाड़पाथर के सभासद प्रतिनिधि शंभू खरवार को बुलाकर शव की पहचान कराई। महिला की शिनाख्त खाड़पाथर की ही शुकवरिया देवी (42) के रूप में हुई। उसके पति राजेंद्र खरवार की मौत हो चुकी है। पुलिस ने परिजनों को बुलाकर पूछताछ की। पुत्र राकेश ने बताया कि शुकवरिया देवी रविवार की रात करीब 10 बजे किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गई थी। देर रात तक जब वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह जंगल में शव मिलने की सूचना पर वह मौके पर पहुंचे थे। पिपरी एसओ प्रणय प्रसून श्रीवास्तव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरा चारा पैदा करने के लिए चरागाहों में लगाई जाएगी नैपियर घास

गोरखपुर, एजेंसी। गो आश्रय स्थलों पर रह रहे निराश्रित गोवंश को हर मौसम में गुणवत्तापूर्ण हरा चारा मिल सके, इसके लिए पशुपालन विभाग नैपियर घास की जड़ों का वितरण करेगा। उन जड़ों को चरागाह की जमीनों पर लगाया जाएगा। नैपियर घास की खासियत यह है कि वह अत्यधिक पौष्टिक व तेजी से बढ़ने वाली चारा फसल है। यह मवेशियों के लिए उत्तम है, क्योंकि इसमें 16 से 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है। इसकी लंबाई आठ से दस फिट होती है। एक बार लगाने पर इसे पांच साल तक चारा के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि पशुपालकों के पास सीमित क्षेत्रफल और संसाधन होने के नाते अपने पशुओं को पर्याप्त मात्रा में चारा नहीं दे पाते हैं। नैपियर घास से उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा। नैपियर घास से गुणवत्तायुक्त चारा पशुओं को मिलने लगेगा। इसकी सबसे खासियत यह है कि इससे हर मौसम में हरा चारा मिलता रहेगा। इसका चारा पशुओं के लिए काफी लाभदायक होगा। नैपियर की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी जड़ें अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध कराने की योजना है। उन्होंने बताया कि यदि कोई किसान नैपियर की घास उगाकर उसे बेचना चाहे तो उसे खरीदा भी जाएगा। सीबीओ ने बताया कि जिले के 10 ब्लॉकों कैंपियरगंज, बांसगांव, खजनी, चौरीचौरा, गोला, सदर, वृहद गो आश्रय स्थल गाजे गड़हा, वृहद गो आश्रय स्थल ताल नदोर सेवई बाजार के अलावा अस्थायी गो आश्रय स्थल जंगल औराही चरगांवा के पास चरागाह की भूमि पर नैपियर घास लगाई जाएंगी।

पत्नी का अफेयर, बच्चों से दूर नहीं रह सकता, दीवार पर लिखे नोट में लिखी ये बात; बच्चों का कत्ल कर दी जान

महराजगंज, एजेंसी। महराजगंज के नौतनवा में एसएसबी में तैनात सफाईकर्मी के पति और बच्चों की मौत के पीछे का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। कमरे में दीवार पर एक सुसाइड नोट भी लिखा मिला है। सुसाइड नोट में पति ने पत्नी का किसी दूसरे व्यक्ति से अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है। साथ ही पत्नी के मायके वालों पर उसे सह देने का जिक्र किया है। जबकि बच्चों को मारने की वजह अपने से उन्हें दूर न रख पाने का कारण लिखा है। मूल रूप से मिर्जापुर थाना सैदपुर जिला गाजीपुर के रहने वाले अमरीश कुमार की शादी करीब सात वर्ष पूर्व महमूदपुर थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर की रहने वाली बंदना के साथ हुआ था। बंदना शादी के बाद एसएसबी में भर्ती हो गई थीं। दोनों से कंचन और अमरेंद्र दो बच्चे भी हुए। नौतनवा से पहले बंदना की तैनाती एसएसबी के 53वीं बटालियन में पश्चिम बंगाल में थी। वहां से अभी पिछले साल ही उन्हें 66वीं बटालियन नौतनवा में स्थानांतरित किया गया था। नौतनवा आने के बाद वह परिवार के साथ पहले बाईपास पर कहीं रहती थीं, फिर कुछ माह बाद वहां से गांधी नगर वार्ड में आकर रहने लगीं। पति घर पर ही रहकर बच्चों की देखभाल किया करते थे। बंदना के मुताबिक, पति से उनकी नहीं बनती थी। छोटी-छोटी बात पर भी झगड़ा हो जाया करता था। उन्होंने बताया कि कई बार परिवार से भी यह शिकायत की लेकिन परिवार के लोग लोकलाज के डर से रिश्ता निभाने के लिए समझाते रहे।

मार्च में मौसम ने ली गजब की फिरकी: अचानक छाया घना कोहरा

मैनपुरी के किशनी-बेवर में थमी वाहनों की रफ्तार

आगरा, एजेंसी। मैनपुरी के किशनी और बेवर क्षेत्र में मंगलवार सुबह अचानक घना कोहरा छा गया, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई और वाहनों की रफ्तार थम गई। मार्च में इस तरह का कोहरा देखकर लोग हैरान रह गए।

मैनपुरी के किशनी और बेवर में मंगलवार सुबह अचानक घना कोहरा छा जाने से लोगों को अजीब मौसम का अनुभव हुआ। मार्च के महीने में जब गर्मी लगातार बढ़ रही थी, उस बीच सुबह-सुबह छाए कोहरे ने न सिर्फ मौसम को ठंडा कर दिया बल्कि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार भी थाम दी।

किशनी क्षेत्र में सुबह जब लोग नींद से जागे तो चारों ओर कोहरे की चादर फैली हुई थी। जैसे-जैसे सुबह आगे बढ़ी, कोहरा और घना होता गया। कुछ समय के लिए दृश्यता मात्र 10 से 12 मीटर रह गई, जिसके कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर बेहद धीमी गति से चलना पड़ा। हालांकि करीब नौ बजे के बाद कोहरा धीरे-धीरे छंटने लगा और साढ़े नौ बजे तक धूप निकल आने से जनजीवन सामान्य हो गया।

उधर, बेवर क्षेत्र में भी मंगलवार सुबह कोहरे जैसी धुंध दिखाई देने से लोग हैरान रह गए। सुबह टहलने निकले लोगों ने इस असामान्य मौसम को आश्चर्यजनक बताया। कुछ लोग इसे पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से उठे धुएं का गुबार बता रहे हैं, हालांकि मौसम में अचानक बदलाव की वजह से भी ऐसा होना माना जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्च के महीने में इस तरह का घना कोहरा पहले कभी नहीं देखा गया। सोमवार शाम को अचानक बादल छाने के बाद मौसम में बदलाव आया और सुबह कोहरा दिखाई दिया। वहीं, कोहरे के कारण लोगों को बढ़ती गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली।

मैनपुरी के किशनी और बेवर क्षेत्र में मंगलवार सुबह अचानक घना कोहरा छा गया, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई और वाहनों की रफ्तार थम गई। मार्च में इस तरह का कोहरा देखकर लोग हैरान रह गए।

अचानक बदला मौसम का मिजाज, घनी धुंध ने थामी वाहनों की रफ्तार, किसानों की बढ़ी चिंता

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मंगलवार की सुबह अचानक मौसम ने ऐसा रूप लिया कि लोग अचंभे में पड़ गए। घनी धुंध ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह सात बजे तक हाईवे पर गाड़ियां हेडलाइट जलाकर धीरे-धीरे गुजरती दिखीं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी धुंध का असर साफ नजर आया। खेतों में काम करने वाले किसान रास्ता पहचानने में परेशान हुए। वहीं मजदूरों को भी काम पर जाने में कठिनाई हुई। धुंध इतनी गहरी थी कि आ पास के घर और पेड़ तक साफ दिखाई नहीं दे रहे थे। लोग देर तक घरों से बाहर निकलने से बचते रहे।

यातायात और कृषि कार्य प्रभावित होंगे

बच्चों के स्कूल जाने में भी दिक्कत हुई और अभिभावकों ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें देर से भेजा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी धुंध का असर बना रह सकता है, जिससे यातायात और कृषि कार्य प्रभावित होंगे।

उत्पादन पर पड़ सकता है असर

किसानों की चिंता बढ़ गई है धुंध के कारण फसलों पर ओस जम रही है और गेहूं जैसी फसलों को नुकसान का खतरा है। वहीं सब्जी उगाने वाले किसान भी परेशान हैं, क्योंकि लगातार धुंध से उत्पादन पर असर पड़ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक मौसम की इस करवट ने जीवन की रफ्तार धीमी कर दी है।

जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 500 से अधिक, वहां लगेगा कैंप

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 500 से अधिक है, वहां आधार कैंप लगाया जाएगा। करीब पौने चार करोड़ बच्चों व बालक-बालिकाओं का आधार अपडेट लंबित है। उसे अपडेट किया जाएगा। आगे पढ़ें पूरी खबर...

पांच व 15 साल की उम्र पर आधार कार्ड बायोमीट्रिक अपडेट करवाना अनिवार्य है। ये सुविधा यूआईडीएआई निशुल्क दे रहा है। इसके बावजूद प्रदेश के 2.64 लाख स्कूलों के करीब पौने चार करोड़ विद्यार्थियों का आधार अपडेट बाकी है। पिछले चार-पांच महीनों से यूआईडीएआई बायोमीट्रिक अपडेट के लिए जद्दोजहद में जुटा है।

यूआईडीएआई करीब एक लाख शिक्षण संस्थानों में कैंप लगावा रहा था, जहां पर विद्यार्थियों की संख्या एक हजार या उससे अधिक थी। अब इसमें बदलाव किया है। अब संस्थानों की न्यूनतम संख्या पांच सौ तय की है। इससे अधिक स्कूल कवर होंगे और अधिक से अधिक विद्यार्थियों के आधार कार्ड अपडेट हो सकेंगे।

खुद से भी जाकर अपडेट करवाएं

यूआईडीएआई के अफसरों ने लोगों से भी अपील की है कि वह अपने बच्चों के आधार केंद्रों पर जाकर अपडेट करवाएं। इसके लिए उनको कोई भुगतान नहीं करना होगा। बिना आधार अपडेट की तमाम योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। विभाग अपने स्तर से प्रयास कर रहा है। अगर लोग खुद से भी सक्रियता दिखाएं तो अपडेशन का कार्य तेजी से हो सकेगा।

यूपी में गेंहू व उत्पादों के 1600 करोड़ के निर्यात पर युद्ध का साया

तीन साल बाद मिला था मौका, सौदे रद्द

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में गेंहू व उत्पादों के 1600 करोड़ के निर्यात पर पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध का साया पड़ गया है। तीन साल बाद निर्यात का फिर मौका मिला था, लेकिन युद्ध के चलते सौदे रद्द हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश में तीन साल बाद शुरू होने जा रहे गेहूं और गेहूं से बने उत्पादों (आटा, मैदा, सूजी) के निर्यात पर पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध का साया पड़ गया है। भारत सरकार ने 2026 में सीमित मात्रा में गेहूं और गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी, लेकिन समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिम, बीमा लागत और शिपिंग संकट के कारण खाड़ी देशों को होने वाला निर्यात फिर से अनिश्चितता में घिर गया है। इसका सीधा असर उत्तर प्रदेश के गेहूं व्यापार और मिलिंग उद्योग पर पड़ा है।

निर्यातक संगठनों के मुताबिक खाड़ी क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने और युद्ध जोखिम बीमा के महंगे होने से कई नए निर्यात सौदे फिलहाल टाल दिए गए हैं। भारत सरकार ने फरवरी 2026 में 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दी थी। यह कदम 2022 में लगे प्रतिबंध के बाद निर्यात को आंशिक रूप से फिर खोलने जैसा था। सरकार का मानना था कि बेहतर उत्पादन और पर्याप्त भंडार के कारण यह निर्यात किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

यूपी में आटा-मैदा मिलों का बड़ा नेटवर्क : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव और यूपी रोलर मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक बजाज ने कहा कि उत्तर प्रदेश सबसे बड़े गेहूं उत्पादक राज्यों में है। यहां आटा-मैदा मिलों का बड़ा नेटवर्क है। गेहूं आधारित उत्पादों के निर्यात में प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 25-35 प्रतिशत तक है।

उन्होंने कहा कि यूपी से ही 1500 से 1700 करोड़ रुपये का निर्यात के दरवाजे खुल गए थे। इनका सबसे ज्यादा लाभ गेहूं आधारित प्रोसेसिंग और निर्यात के प्रमुख नेटवर्क क्षेत्र कानपुर, आगरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, बरेली सहित कम से कम 20 जिलों को मिलता।

आटा-मैदा उद्योग को लग सकता बड़ा झटका : इन क्षेत्रों की मिलें खाड़ी देशों यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत और कतर में आटा, मैदा और सूजी की आपूर्ति करती रही हैं। आशंका जताई कि यदि युद्ध जारी रहा तो शिपिंग लागत 40-50त्न तक और बीमा प्रीमियम दोगुना हो सकता है। ऐसे में तीन साल बाद खुलने जा रहा निर्यात बाजार में उत्तर प्रदेश के आटा-मैदा उद्योग को बड़ा झटका लग सकता है।

अब आम आदमी भी सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस में बुक करा सकेंगे कमरे, ऑनलाइन बुकिंग शुरू

लखनऊ, एजेंसी। अब आम आदमी भी सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस में कमरे बुक करा सकेंगे। ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। प्रक्रिया आसान और पारदर्शी की गई है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर कमरे बुक कर सकेंगे। आगे पढ़ें पूरी खबर...

उत्तर प्रदेश सरकार ने लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस की बुकिंग व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग सेवा शुरू की है। इससे जनसामान्य भी प्रदेश के 21 सर्किट हाउस और 334 गेस्ट हाउस में कमरे ऑनलाइन बुक कर सकेंगे। बुकिंग प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होने से कमरों की बुकिंग पहले की तुलना में अधिक आसान, पारदर्शी और सुव्यवस्थित हो जाएगी।

इसके लिए विभाग ने एक एकीकृत वेब-आधारित सर्किट हाउस सूचना प्रणाली तैयार की है।

उपयोगकर्ता को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रियल टाइम रूम की उपलब्धता डैशबोर्ड और लाइव रूम स्टेटस की जानकारी मिलेगी। इससे यह आसानी से पता किया जा सकेगा कि किस सर्किट हाउस में कितने कमरे उपलब्ध हैं। इसके अलावा भुगतान और रिकॉर्ड मैनेजमेंट की व्यवस्था को भी डिजिटल बनाया गया है।

बुकिंग के समय आवेदक को अपना पहचान पत्र या अधिकृत पत्र अपलोड करना होगा। भुगतान ऑनलाइन ही करना होगा। इसके बाद ई-मेल तथा एसएमएस के माध्यम से रसीद प्राप्त हो जाएगी। विभाग के मुख्यालय और जिला स्तर पर केंद्रीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से सभी बुकिंग और राजस्व की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इससे राजस्व के नुकसान को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पहले आओ, पहले पाओ

सर्किट हाउस के कुछ कमरे वीआईपी दौरे और आपातकालीन सरकारी उपयोग के लिए आरक्षित रहेंगे, जबकि शेष कमरे सामान्य व्यक्ति के लिए पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे। लोग सर्किट हाउस सूचना प्रणाली की वेबसाइट पर कमरे बुक कर सकेंगे। विशेष परिस्थितियों में जिला प्रशासन की अनुमति से ऑन-द-स्पॉट बुकिंग भी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जा सकेगी। वीआईपी दौरे या प्रशासनिक आवश्यकता पर पहले से हुई किसी बुकिंग को रद्द करने का अधिकार जिला मजिस्ट्रेट को होगा।

मारपीट के बाद तीन को उठा ले गए दंबग, एक की हत्या कर शव फेंका, दो ने भागकर बचाई जान

कानपुर, एजेंसी। शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बसधना गांव में रविवार की देर रात शराब पार्टी के दौरान रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। मारपीट करने वाले दबंगों ने हवाई फायरिंग की। साथ ही पास ही स्थित एक पान के खोखे में आग लगा दी। इसके बाद तीन युवकों को उठा ले गए। दो युवक उनके चंगुल से छूटकर किसी तरह भाग गए। तीसरे युवक की पीट-पीटकर हत्या कर उन्नाव जिले के माखी थाना क्षेत्र के सिंधुपुर मार्ग पर फेंककर भाग गए।

उधर, सुबह पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शाम को परिजनों ने पहुंचकर उसकी पहचान की। मृत युवक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर धारा बदली जाएगी। रविवार रात बसधना गांव निवासी मनोकांत शुक्ला (48), महेंद्र व रामजी पड़ोस में रहने वाले दबंग किस्म के विपिन के यहां बुलाने पर शराब पार्टी में गए थे।

पान के खोखे में भी लगा दी आग : शराब पीने के बाद नशे में धुत विपिन ने किसी पुरानी बात को लेकर तीनों से गाली गलौज शुरू कर दी, जिसका तीनों ने विरोध किया। आरोप है कि विपिन ने इस दौरान एक के बाद एक छह राउंड हवाई फायरिंग की और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर तीनों की पिटाई की। इसके बाद अपनी गाड़ी में लादकर उन्नाव शहर स्थित दूसरे घर ले गया। इस दौरान गांव के रहने वाले शिवबोध के पान के खोखे में आग भी लगा दी।

रामजी और महेंद्र रविवार देर रात भाग निकले : बताया जा रहा है कि शिवबोध से पांच दिन पहले ही विपिन से झगड़ा हुआ था। उधर, उन्नाव स्थित विपिन के घर से रामजी और महेंद्र रविवार देर रात भाग निकले। सोमवार दोपहर पुलिस को मामले की जानकारी दी। दोनों को जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। मनोकांत की तलाश में दोपहर बाद इनकी पत्नी सुमन, बड़े भाई कमलाकांत कोतवाली गंगाघाट पहुंचे।

पीट-पीटकर की हत्या, शव सड़क पर फेंका : सुमन की तहरीर पर पुलिस ने सोमवार शाम को विपिन व साथी छोटू सनकी उर्फ शिवम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। वहीं, सोमवार सुबह माखी थाना क्षेत्र के सिंधुपुर मार्ग पर सड़क किनारे मिले शव की पहचान रात में पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मनोकांत शुक्ला के रूप में की। मृतक के भाई का आरोप है कि उनके भाई की पीट-पीटकर हत्या कर शव सड़क पर फेंका गया है।

एसओजी समेत पुलिस की तीन टीमें लगीं : मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान देखे गए हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है। मनोकांत का शव मिला है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आरोपियों को पकड़ने के लिए एसओजी समेत पुलिस की तीन टीमें लगी है, जो दबिश दे रही हैं।

45 लाख से हरिपुर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण

तीन गांव के 2 हजार लोगों को आवागमन में होगा फायदा; मिलेगी राहत

चंदौली, एजेंसी। कंदवा के बरहनी ब्लॉक के तुलसी आश्रम-अमड़ा मार्ग से हरिपुर तक नए संपर्क मार्ग का 45 लाख रुपये से नवनिर्माण किया जा रहा है। इससे क्षतिग्रस्त खड़ंजे के मार्ग से आवागमन कर रहे ग्रामीणों को राहत मिलेगी। पांच वर्ष से क्षतिग्रस्त इस एक किमी मार्ग का निर्माण सैयदराजा विधायक सुशील सिंह की विधायक निधि से हो रहा है। मार्ग पर गिट्टी बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है। मार्ग बन जाने से तीन गांवों के दो हजार से अधिक लोगों को आवागमन में फायदा होगा।

हरिपुर, मचवा और औरइया गांव को तुलसी आश्रम-अमड़ा मार्ग से जोड़ने के लिए 10 वर्ष पूर्व खड़ंजे की सड़क बनवाई गई थी। समय के साथ सड़क क्षतिग्रस्त होती गई। पिछले पांच वर्ष से मार्ग पर बिछे खड़ंजे गायब हो गए हैं। अब केवल कच्ची सड़क ही बची है। ग्रामीण काफी दिनों से यहां पक्की सड़क बनवाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि खड़ंजे गायब हो जाने से सड़क पर धूल उड़ती रहती है। बरसात में कीचड़ व फिसलन से चलना जोखिमभरा होता है। इस मार्ग से होकर तीनों गांव के बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। धूल और कीचड़ से उन्हें आने-जाने में परेशानी होती है। वहीं किसी की तबीयत खराब हो जाने पर एंबुलेंस आदि वाहनों का आना भी मुश्किल होता था। कई बार ग्राम प्रधान व जिम्मेदारों से शिकायत के बाद भी जब सड़क नहीं बनी तो ग्रामीणों ने थक-हारकर विधायक सुशील सिंह से सड़क बनवाने की मांग की।ग्रामीण काफी दिनों से तुलसी आश्रम-अमड़ा मार्ग से हरिपुर संपर्क मार्ग के नवनिर्माण की मांग कर रहे थे। मांग को देखते हुए सड़क नए सिरे से बनवाई जा रही है।

सिटी बस के किराए में संशोधन, यात्रियों को मिलेगी राहत

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट ने सिटी बस में यात्रा करने वाले लोगों को राहत देते हुए किराए में संशोधन किया है। संशोधित किराए के अनुसार, 10 किलोमीटर के बाद प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर के लिए अब पांच रुपये ही ज्यादा देने होंगे। पहले इसके लिए 10 रुपये देने पड़ते थे।

इसके साथ ही दूरी के अनुसार किराये की नई श्रेणियां भी तय की गई हैं। संशोधन के अनुसार, अब छह से नौ किलोमीटर तक की यात्रा पर 20 रुपये, नौ से 12 किलोमीटर तक 25 रुपये, 12 से 15 किलोमीटर तक 30 रुपये और 15 से 19 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए 35 रुपये किराया देना होगा।

पहले छह से 10 किलोमीटर तक 20 रुपये और 10 से 14 किलोमीटर तक की यात्रा पर 30 रुपये किराया लिया जाता था। गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट के सीनियर स्टेशन इंचार्ज किशन जायसवाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और दूरी के अनुसार किराए को संतुलित करने के उद्देश्य से यह संशोधन किया गया है। इससे छोटी और मध्यम दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

एजेंसी, कोलकाता

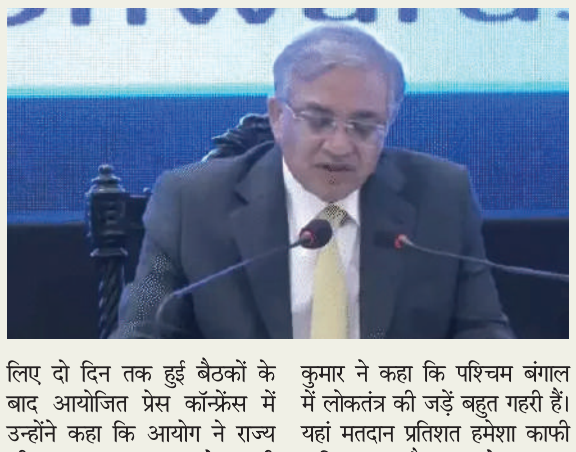

◆ **स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता, लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए**

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

कुमार बोले- "चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो": ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- "चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो" (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)।

इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन CEC को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे।

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में अफगानिस्तान को आतंकवाद का गढ़ बताया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्रसंघ (यूएन) में कहा कि अफगानिस्तान आतंकवाद का गढ़ है। अफगानिस्तान की धरती से संचालित आतंकवाद से पाकिस्तान को ही नहीं, बल्कि आस-पास के पड़ोसियों के लिए भी बड़ा खतरा है। यूएन में पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि तालिबान तत्वों की तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), मजीद ब्रिगेड, अल-कायदा और दाएश खोरासान के साथ मिलीभगत है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने कहा कि देश के हजारों लोगों की जान गई है। सीमा पार से हुए तालिबान के हमलों के बाद हवाई हमला करना पड़ा। अहमद ने कहा कि तालिबान शासक आतंकवाद को पाल पोस रहे हैं। ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) जैसे आतंकवादी समूहों को अफगानिस्तान में सुरक्षित पनाह मिली हुई है। यह आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ कर आत्मघाती हमले कर रहे हैं।

अहमद ने कहा कि पाकिस्तान ने पड़ोसी के नाते तालिबान अधिकारियों से सदैव अच्छा व्यवहार किया है। मानवीय मदद की। दो-तरफ़ा व्यापार को बढ़ावा दिया। वीजा प्रणाली को आसान किया। ऐसे प्रयासों के बावजूद तालिबान शासकों का रवैया नहीं बदला। अफसोस यह है कि अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की बात भी अफगानिस्तान ने नहीं मानी और दोहा में तीन बार वार्ता हुई और बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई।

पाकिस्तान के बयान में अफगानिस्तान से हुए हालिया हमलों का भी जिक्र किया गया। अहमद ने कहा, ''पाकिस्तान में तब से आतंकवादी हमलों में तेजी आई है। इन हमलों की योजना तालिबान शासन की निगरानी में अफगानिस्तान में तैयार की गई। पिछले महीने किए गए आतंकी हमलों में देश के 175 से ज्यादा बेगुनाह लोगों की मौत हो गई है। इन हमलों में तीन आत्मघाती हमले भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प बोले- ऑस्ट्रेलिया ईरान की महिला खिलाड़ियों को दे शरण, वापस भेजना बड़ी गलती

वॉशिंगटन/कैनबरा। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया से अपील की है कि वह ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को शरण दे। ट्रम्प का कहना है कि यदि इन खिलाड़ियों को वापस इरान भेजा गया तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह मामला उस समय सामने आया जब ऑस्ट्रेलिया में महिला एशियन कप के दौरान ईरानी टीम से जुड़ा विवाद सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद ईरानी महिला टीम ने मैच से पहले राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसे सरकार के खिलाफ विरोध के रूप में देखा गया। इसके बाद ईरान के कुछ मीडिया मंचों पर खिलाड़ियों की आलोचना की गई और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि यदि खिलाड़ियों को ईरान लौटाया गया तो उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है और उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने इसे एक संभावित मानवीय संकट बताते हुए ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने का आग्रह किया। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया इन खिलाड़ियों को आश्रय देने के लिए तैयार नहीं होता है तो अमेरिका उन्हें शरण देने के लिए तैयार है। इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

काठमांडू सहित नेपाल का अधिकांश हिस्सा वायु प्रदूषण की चपेट में

काठमांडू। नेपाल के विभिन्न हिस्सों में वायु प्रदूषण के स्तर में हाल के दिनों में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका कारण प्रतिकूल मौसम है। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाने वाले सूक्ष्म कणों की सांद्रता कई क्षेत्रों में बढ़ गई है। खासकर काठमांडू और पोखरा जैसे बड़े शहरों और तराई क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में प्रदूषण का स्तर अधिक है। वन तथा वातावरण मंत्रालय के तहत पर्यावरण विभाग ने मंगलवार को जनता से अपील की है कि वे वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए सावधानी बरतें। जारी किए गए एक संदेश में विभाग ने नागरिकों से उच्च प्रदूषण वाले समय में बाहर निकलते समय मास्क पहनने का अनुरोध किया है। इसके अलावा वाहन मालिकों को अपने वाहनों का नियमित रखरखाव करने की सलाह दी गई और लोगों से कचरा और कृषि अवशेषों को जलाने से बचने का आग्रह किया गया। विभाग ने इसके अलावा जनता से वन आग न लगाने और यदि आग लग जाए तो उसे तुरंत बुझाने के प्रयास करने का आग्रह किया। निर्माण गतिविधियों को इस तरह किया जाना चाहिए कि धूल का उत्सर्जन न्यूनतम हो, जबकि उद्योगों को सरकार द्वारा निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पूरी तरह पालन करना अनिवार्य है। विभाग के महानिदेशक ज्ञान राज सुवेदी ने जोर देते हुए कहा कि वायु प्रदूषण में प्रभावी कमी केवल जिम्मेदार एजेंसियों और जनता के सहयोग और सकारात्मक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदूषण के स्तर सुबह और शाम के समय अधिक रहते हैं। विभाग के अनुसार ठंडी परिस्थितियां विभिन्न स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषकों को वातावरण में फैलने से रोकती हैं। साथ ही पिछले कुछ हफ्तों में लगातार वर्षा का अभाव भी इस मौसम में वायु गुणवत्ता को और खराब करने का कारण बना है।

गुजरात-महाराष्ट्र और राजस्थान के 14 शहरों में टेम्परेचर 40°C पार, एमपी के इंदौर में रनवे का डामर पिघला

नई दिल्ली/श्रीनगर/शिमला/मुंबई/भोपाल। मार्च के दूसरे हफ्ते तक देश के उत्तरी-मैदानी इलाकों में तेज गर्मी पड़ने लगी है। राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के 14 शहरों में सोमवार को पारा 40 से 41 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। इनमें राजकोट, सुरेंद्रनगर, न्यू कांडला, अहमदाबाद, डीसा, केशोड, गांधीनगर, सूरत, अमरेली, अकोला, बरौडा, भुज, बाड़मेर और कांडला शामिल हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और महाराष्ट्र के विदर्भ में लू चलने लगी है। देश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से 5°C या 12°C ज्यादा पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में गर्मी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे का डामर पिघल गया। इसके कारण 2 फ्लाइट्स को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान की ओर से आ रही गर्म और शुष्क हवाएं और साफ आसमान के कारण ही तापमान बढ़ रहा है। तेज सोलर रेडिएशन के कारण जमीन तेजी से गर्म हो रही है। अगले दो-तीन दिन तापमान में और बढ़ोतरी की आशंका है। मंगलवार को बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरल में बारिश का अलर्ट है। नगालैंड के कोहिमा, दीमापुर, सेमिन्यू और वोखा समेत कई जगहों पर सोमवार को भी करीब 40 मिनट तक बारिश-ओलावृष्टि हुई। IMD के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ मंगलवार को जम्मू-कश्मीर इलाके में पहुंचने वाला है। इसके चलते 13 से 15 मार्च के बीच कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में तापमान में 2°C से 3°C तक घट सकता है।

कोलकाता पोर्ट के ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोलकाता पोर्ट स्थित ऐतिहासिक बासक्यूल पुल के नवीनीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 117.54 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के डॉक सिस्टम की सुरक्षा और परिचालन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय पोत, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 'विरासत भी, विकास भी' की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। यह परियोजना एक महत्वपूर्ण विरासत संपत्ति को संरक्षित करते हुए आधुनिक तकनीक से उसे सुरक्षित, तेज और अधिक कुशल पोर्ट संचालन के लिए तैयार करेगी। मंत्रालय ने बताया कि करीब छह दशक पुराने इस दो लेन के बासक्यूल पुल का निर्माण मूल रूप से वाग्नर-बिरो ब्रिज सिस्टम्स एजी ने किया था। अब इसमें व्यापक संरचनात्मक मजबूती और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल अपग्रेड किए जाएंगे। प्रस्ताव का मूल्यांकन 16 फरवरी 2026 को मंत्रालय की डेलीगेटेड इन्वेस्टमेंट बोर्ड की बैठक में किया गया था। 117.54 करोड़ रुपए की इस परियोजना को लगभग 41 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता सागरमाला कार्यक्रम के तहत मिलेगी। परियोजना का क्रियान्वयन रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया जाएगा और कार्य मुंबई स्थित एचएंडएच फ्रेसीनेट कंपनी को सौंपा गया है।

अयोध्या पहुंचा 11 सदस्यीय दक्षिण कोरियाई दल, मातामही रानी हो को किया नमन

अयोध्या। दक्षिण कोरिया का 11 सदस्यीय दल मंगलवार को अयोध्या पहुंचा और राजकुमारी सूरीरत्ना (दक्षिण कोरिया के गया राज्य की महारानी हेलो ह्वांग-ओक) के स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने अपनी पत्नी श्रीमती राजलक्ष्मी त्रिपाठी के साथ कोरियाई प्रतिनिधि मंडल का अंग वस्त्र एवं प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान महापौर ने रानी हो मेमोरियल पार्क के विकास में हर संभव सहयोग का वादा किया। हाल ही में स्मारक नगर निगम ने पर्यटन विभाग से हस्तगत किया है। दक्षिण कोरिया गणराज्य का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इंचियोन ली क्वान एसोसिएशन के अध्यक्ष ली जिन ओके के नेतृत्व में अपनी मातामही रानी हो से जुड़ी स्मृतियों को ताजा करने मंगलवार को अयोध्या पहुंचा। दुभाषिया के माध्यम से हुई बातचीत में प्रतिनिधिमंडल ने रानी हो मेमोरियल पार्क में पूजा स्थल के विकास की आवश्यकता जताई। महापौर ने स्मारक के विकास में हरसंभव सहयोग का वादा किया। उन्होंने इसके लिए भारतीय दूतावास के माध्यम से पत्राचार करने का सुझाव दिया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि आगामी 6 अक्टूबर को सौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रानी हो को नमन करने अयोध्या आएगा। उन्होंने अप्रैल में दक्षिण कोरिया में हो रहे कार्यक्रम में आने का निमंत्रण महापौर को दिया।

'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली से होगी रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली

भगवान राम से जुड़े पवित्र स्थलों की यात्रा कराने वाली प्रतिष्ठित 'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन 30 मार्च को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी की ओर से चलाई जा रही यह विशेष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 16 रात और 17 दिन की तीर्थ यात्रा पर प्रमुख रामायण स्थलों का भ्रमण कराएगी। भारतीय रेलवे ने "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों की शुरुआत की है। इसी क्रम में संचालित की जा रही यह रामायण यात्रा श्रद्धालुओं को रामायण से जुड़े प्रमुख स्थलों के दर्शन कराने का अवसर प्रदान करेगी। यह ट्रेन अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर (नेपाल), बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और रामेश्वरम जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को कवर करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू घाट के दर्शन करेंगे। इसके अलावा वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती सहित कई धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस पूर्ण वातानुकूलित ट्रेन में प्रथम एसी, द्वितीय एसी और तृतीय एसी श्रेणी की व्यवस्था होगी और कुल लगभग 150 पर्यटक इसमें यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन में दो रेस्टोरेंट, आधुनिक रसोई, शॉवर क्यूबिकल, सेंसर आधारित वॉशरूम, सीसीटीवी कैमरे और प्रत्येक कोच में सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था भी होगी। यह ट्रेन दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर और लखनऊ रेलवे स्टेशनों से भी यात्रियों को चढ़ने और उतरने की सुविधा देगी। पूरी यात्रा लगभग 7,560 किलोमीटर की होगी और 17वें दिन ट्रेन वापस दिल्ली पहुंचेगी।

आईआरसीटीसी ने इस पैकेज का किराया तृतीय एसी के लिए 1,14,100 रुपये, द्वितीय एसी के लिए 1,51,225 रुपये और प्रथम एसी के लिए 1,64,940 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है। इस पैकेज में ट्रेन यात्रा, तीन-सितारा होटलों में ठहरने की व्यवस्था, शाकाहारी भोजन, एसी बसों से स्थानीय भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर मैनेजर की सेवाएं शामिल होंगी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक दिवस घोषित करने की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया भर में हो रहे बाल विवाह की समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए भारत के बाल अधिकार कार्यकर्ता एवं विधिवेत्ता भुवन ऋभु ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र से बाल विवाह के उन्मूलन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र के कमीशन ऑन द स्टैटस ऑफ वुमेन (सीएसडब्ल्यू) के 70वें सत्र के मौके पर एक कार्यक्रम में उन्होंने वर्चुअली माध्यम से कहा कि हाल के वर्षों में भारत में बाल विवाह में उल्लेखनीय कमी आई है लेकिन आज भी दुनिया में हर 3 सेकेंड में कहीं न कहीं एक बाल विवाह हो रहा है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, "संयुक्त राष्ट्र को 'बाल विवाह उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' की घोषणा करनी चाहिए ताकि इसके खिलाफ वैश्विक प्रतिबद्धता व जवाबदेही मजबूत हो और दुनिया भर की सरकारें तथा समाज इस अपराध को समाप्त करने के लिए संगठित हों।" उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि बाल विवाह का अंत संभव है। रोकथाम संरक्षण अभियोजन एवं बच्चों, समुदायों और धर्मगुरुओं की भागीदारी पर आधारित 'संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज' के दृष्टिकोण के साथ हमारा देश 2030 तक बाल विवाह को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत में तीन वर्षों से भी कम समय में बाल विवाह की दर 23 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत से नीचे आ गई है। बाल विवाह दरअसल एक बच्चे के साथ होने वाले दुष्कर्म और यौन शोषण से कम नहीं है जिसे अक्सर संस्कृति या परंपरा की ओट में छिपा दिया जाता है। विशेषज्ञों ने यह भी रेखांकित किया कि कई देशों में बाल विवाह के खिलाफ सख्त कानूनी ढांचे पहले से मौजूद हैं लेकिन उनके कमजोर क्रियान्वयन के कारण यह प्रथा अब भी जारी है। कार्यक्रम में मौजूद सिएरा लियोन की प्रथम महिला डॉ. फातिमा मादा बायो, नेपाल की महिला बाल एवं वरिष्ठ नागरिक मंत्री श्रद्धा श्रेष्ठ एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने बाल विवाह के खात्मे के लिए एक समर्पित अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग का पुरजोर समर्थन किया। इससे बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और जवाबदेही को मजबूती मिलेगी।

भुवन ऋभु वर्ल्ड लॉ कांग्रेस 2025 में वर्ल्ड जूरिस्ट एसोसिएशन की ओर से 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित हो चुके हैं।

सिक्योरिटी गार्ड बना करोड़पति

एजेंसी, मोहाली

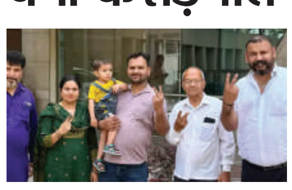

मोहाली में सिक्योरिटी गार्ड ने डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम जीता है। उन्होंने पंजाब स्टेट डियर लॉटरी का 200 रुपए का टिकट खरीदा था और फिर रातों-रात उसकी किस्मत बदल गई। सिक्योरिटी गार्ड कपिल हरियाणा के पंचकूला जिले के रायपुररानी के गांव मौली के रहने वाले हैं। लॉटरी जीतने के बाद परिवार भी काफी खुश है। वहीं, परिवार वालों को अब लोग बधाई देने के लिए पहुंच रहे हैं।

परिवार में पत्नी और तीन बच्चे: कपिल देव एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनके पिता पंजाब कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। कपिल सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, पर वेतन ज्यादा नहीं था। लेकिन वह भी चाहता था कि उसका जीवन बदले। इसी सोच को लेकर कपिल देव ने मासिक पंजाब स्टेट डियर लॉटरी टिकट मोहाली के जीरकपुर स्थित लोकेश लॉटरी एजेंसी से खरीदी थी। इसमें घोषित हुए परिणामों में उनकी टिकट को पहला पुरस्कार प्राप्त हुआ।

30वें करोड़पति बने कपिल: लॉटरी एजेंसी के संचालक लोकेश कुमार ने बताया कि कपिल देव उनकी एजेंसी से लॉटरी टिकट खरीदकर करोड़पति बनने वाले 30वें व्यक्ति हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी उनकी एजेंसी से 29 लोग करोड़पति बन चुके हैं।

पंजाब में ऑनलाइन लॉटरी पर पूरी तरह से बैन: पंजाब में ऑनलाइन लॉटरी पर पूरी तरह से बैन है। पंजाब स्टेट लॉटरी विभाग न तो ऑनलाइन टिकट बेचता है और न ही चलाता है, हमेशा असली टिकट ही खरीदें और वो भी सिर्फ अधिकृत विक्रेताओं से। फोटो या ऑनलाइन कॉपी वाला टिकट मान्य नहीं होता। विभाग कभी भी विजेताओं से ऑनलाइन पेमेंट या टैक्स के नाम पर पैसे नहीं मांगता।

चीन में 56 जातीय समूहों को एक पहचान मिलेगी अलग-अलग समुदायों में शादी को बढ़ावा

एजेंसी, बीजिंग

- **चीन में जिनपिंग सरकार एक नए कानून को मंजूरी देने की तैयारी कर रही**
- **बच्चों को कम्युनिस्ट पार्टी से प्रेम सिखाने की बात**
- **चीन में हान, उइगुर, तिब्बती, मंगोल जैसे 56 जातीय समूह**

चीन में जिनपिंग सरकार एक नए कानून को मंजूरी देने की तैयारी कर रही है, जिसमें अलग-अलग जातीय समूहों (एथनिक ग्रुप्स) को एक ही राष्ट्रीय पहचान दी जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस कानून का नाम 'लॉ ऑन प्रोमोटिंग एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस' है। चीन में हान, उइगुर, तिब्बती, मंगोल जैसे 56 जातीय समूह हैं। चीन की सरकार पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि वह देश के जातीय अल्पसंख्यकों (एथनिक माइनॉरिटी) को दबाने वाली नीतियां अपनाती है और उन्हें जबरन बहुसंख्यक हान चीनी संस्कृति में घुलने-मिलने के लिए मजबूर करती है। रिपोर्ट के मुताबिक अब चीन की संसद के सालाना सत्र में एक नया कानून पास होने वाला है। एक्सपर्ट्स और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट का कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा उनकी संस्कृति के लिए खतरा बढ़ाएगा। हालांकि चीन सरकार का कहना है कि यह कानून देश में लोगों के बीच एकता बढ़ाने और देश को आधुनिक बनाने के लिए जरूरी है। सरकार इसे 'जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून' बता रही है।

अगर कोई व्यक्ति, संगठन या गतिविधि ऐसी बात कहे या करे जिससे अलग-अलग जातीय समुदायों के बीच झगड़ा, नफरत या अलग होने की मांग बढ़े, तो उस पर रोक लगाई जाएगी। जिनपिंग की नीति को मजबूत करेगा नया कानून चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले भी कई बार धर्म के 'चीनीकरण' की बात कर चुके हैं। इसका मतलब है कि धार्मिक परंपराएं और प्रथाएं भी कम्युनिस्ट पार्टी के हिसाब से चीनी संस्कृति और मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि नया कानून इसी नीति को और मजबूत करेगा। पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के एरन ग्लासरमैन के मुताबिक, मंदारिन को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों की पहचान तथा धार्मिक अभिव्यक्ति पर नियंत्रण जैसी नीतियां पहले भी लागू थीं। अब चीन सरकार इन नीतियों को सिर्फ नीति नहीं बल्कि कानून का रूप दे रही है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थिति पर चिंता जताई

एजेंसी, न्यूयॉर्क

❑ **पाकिस्तान कर रहा संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन**

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों की कड़ी निंदा की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हवाई हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमापार सशस्त्र हिंसा से हुए नागरिक हताहतों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारत ने कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार छह मार्च 2026 तक 185 निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें लगभग 55 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। इन हमलों की वजह से एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करना और दूसरी तरफ रमजान के दौरान निर्दोष लोगों पर हमले करना पूरी तरह पाखंड है।

उन्होंने अफगानिस्तान के युवाओं और वहां के खेल उत्साह का भी जिक्र किया। पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि आज अगर कोई भी व्यक्ति अफगानिस्तान जाता है तो वहां के युवाओं को पूरे उत्साह के साथ क्रिकेट खेलते हुए देख सकता है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जहां भी खेलती है, वहां लोगों का दिल जीत लेती है। हाल ही में हुए क्रिकेट विश्व कप में टीम का जोश और जज्बा सराहनीय रहा है। भारत ने कहा कि अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर में भागीदार होने पर उसे गर्व है और यह देखकर खुशी होती है कि यह टीम उन लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है, जो लंबे समय से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

भारत ने अपने बयान में आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया। पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि आईएसआईएल और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित कार्रवाई बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट का जिक्र करते हुए कहा कि इन संगठनों और इनके समर्थकों को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।

भारत ने स्पष्ट किया कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में सबसे पहली प्राथमिकता आम नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय सिद्धांतों का पालन करते हुए सभी पक्षों को हिंसा रोकने और शांति बहाल करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिरता और शांति न केवल क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें आतंकवाद और हिंसा के लिए कोई जगह न हो और अफगानिस्तान के लोगों को सुरक्षित और बेहतर भविष्य मिल सके।

सभी 34 प्रांतों में 500 से ज्यादा डेवलपमेंट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट्स के साथ भारत हेल्थकेयर, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेसिटी बिल्डिंग में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। हम हेल्थकेयर सपोर्ट में काफी तरक्की कर रहे हैं। पिछले तीन महीनों में इम्यूनाइजेशन वैक्सीन की एक मिलियन डोज और 9.5 टन एंटी-कैंसर दवाएं डिलीवर की गई हैं। मुश्किल हालात में जबरदस्ती और बिना मर्जी के लोगों को वापस भेजा जा रहा है। हम सदस्य देशों से अपील करते हैं कि वे अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को निभाएं।

गंभीर नहीं मानते सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम का युग आया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप खिताब जीत के बाद भी ये माना जा रहा है कि इससे सीमित ओवरों प्रारुप में भारतीय टीम का युग शुरु हो गया है हालांकि टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इससे सहमत नहीं है। गंभीर ने कहा कि टीम ने लगातार आईसीसी खिताब जीतककर अपना प्रभाव दिखाया है पर अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। गंभीर के अनुसार इससे सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया का युग नहीं माना जा सकता है। उन्होंने इसके कारण भी बताये और कहा कि हमें हाल में एक दिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अगर ये हमारा युग होता तो हम नहीं हारते। लगातार तीन साल में तीन आईसीसी खिताब भारतीय टीम ने जीते हैं जिसमें साल 2024 टी20 विश्व कप, 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप। ये ऐसा ही जैसे साल 1999 से 2007 के बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार आईसीसी ट्राफी में जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाने में सफल रही थी। गंभीर ने कहा, 'मैं सफेद गेंद के क्रिकेट के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में एकदिवसीय प्रारूप में हम पिछली तीन में से दो सीरीज हारे हैं। अगर यह हमारा युग होता तो हम दो सीरी नहीं हारते।' उन्होंने हालांकि माना है कि आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। गंभीर ने कहा, 'मैं युग जैसी बातों पर विश्वास नहीं करता। आपको हर दिन मैदान उतरना होगा, चाहे आप कोई भी मैच खेल रहे हों। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप हर मैच जीतना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि यह द्विपक्षीय श्रृंखला है या आईसीसी ट्रॉफी है या विश्व कप है। मैं द्विपक्षीय और आईसीसी टूर्नामेंट में फर्क नहीं कर सकता क्योंकि ये एक ही हैं। सब कुछ बिल्कुल वैसा ही रहता है।' गंभीर ने यह भी कहा कि उनके कोच रहते तक निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा।उन्होंने कहा, 'कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ हमेशा ही मेरी यही बात होती रही है कि कि निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती केवल ट्रॉफी मायने रखती हैं।'' इसलिए हमारा ध्यान जीत दर्ज करने पर ही रहेगा।

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्वालिफायर में भारत सेमीफाइनल की दहलीज पर, वेल्स से होगा मुकाबला

एजेंसी, हैदराबाद

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अंतिम पूल-बी मुकाबले में 11 मार्च को वेल्स से भिड़ेगी। हैदराबाद में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में भारत के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है, क्योंकि जीत या ड्रॉ के साथ टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर सकती है। मौजूदा समय में भारतीय टीम चार अंकों और बेहतर गोल अंतर के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। यदि भारत वेल्स के खिलाफ जीत हासिल करता है या मुकाबला ड्रॉ रहता है, तो टीम सीधे अंतिम चार में पहुंच जाएगी। हालांकि अगर भारत को हार मिलती है तो उसके चार ही अंक रहेंगे और फिर उसका भविष्य स्कॉटलैंड और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच के परिणाम तथा गोल अंतर पर निर्भर करेगा। टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। टीम ने 8 मार्च को खेले गए अपने पहले मुकाबले में उरुग्वे को 4-0 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद दूसरे मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेलते हुए 2-2 से ड्रॉ हासिल किया। भारतीय टीम की युवा फॉरवर्ड सुनेलिता टोप्पो शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने दोनों मैचों में गोल किए हैं। वहीं आक्रमण पंक्ति में लालरेमसियामी, नवनीत कौर और रुतुजा दादासो पिसाल ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए कई मौके बनाए और गोल करने में अहम भूमिका निभाई है। रक्षा पंक्ति में भी भारतीय टीम मजबूत नजर आई है। गोलकीपर बिचू देवी ने अब तक कई अहम बचाव करते हुए टीम को मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा हैदराबाद में घरेलू दर्शकों के उत्साहवर्धन से भी टीम को अतिरिक्त ऊर्जा मिल रही है। टीम के अब तक के प्रदर्शन पर कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि शुरुआती दो मुकाबलों के बाद टीम में सकारात्मक माहौल है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने मिले अवसर का अच्छा उपयोग किया है और टीम खुलकर खेल का आनंद ले रही है, जो टीम के लिए काफी अच्छा संकेत है। सलीमा टेटे ने यह भी कहा कि टीम का लक्ष्य विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना और चैंपियन बनना है। उन्होंने कहा कि जब भी टीम एक साथ होती है तो यही लक्ष्य हमारी बातचीत का हिस्सा होता है। भारत और वेल्स के बीच अब तक हुए मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में भारत ने पांच में जीत दर्ज की है, जबकि वेल्स को एक बार सफलता मिली है। हालांकि मौजूदा टूर्नामेंट में वेल्स अपनी पहली जीत की तलाश में होगा, ऐसे में भारत को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ मैदान में उतरना होगा।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आईं थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा। सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है। इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

इरफान पठान ने भारतीय टीम सफलता का श्रेय कोच और कप्तान को दिया

एजेंसी, अहमदाबाद

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम अभी विश्व की सीमित ओवरों के प्रारुप की सबसे अच्छी टीम है। पठान ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन दोनो ने ही टीम को यहां तक पहुंचाया है। पठान के अनुसार भारतीय टीम की लगातार सफलता के का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम बेहद आत्मविश्वास के साथ खेल रही है। वहीं गंभीर ने खिलाड़ियों को सही भूमिका देकर टीम को संतुलित बनाया है। पठान ने यह भी कहा कि गंभीर की सबसे बड़ी खासियत उनकी विनम्रता है। वे टीम की सफलता का श्रेय हमेशा खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ को देते हैं, जिससे टीम का माहौल सकारात्मक बना रहता है और खिलाड़ी खुलकर प्रदर्शन करते हैं। पठान के अनुसार टीम निडर होकर खेलती है, कोच और कप्तान अपने खिलाड़ियों का समर्थन भी करते हैं। टीम कठिन फैसले भी लेती है। खिलाड़ियों को आक्रामक अंदाज में खेलने को कहा गया है जिससे भी टीम को लाभ हुआ है। इस दौरान एक खिलाड़ी असफल भी होता है तो दूसरा बेहतर बल्लेबाजी कर कमी पूरी कर देता है। टीम के सभी खिलाड़ियों ने एक जुट होकर एक इकाई के तौर पर खेला है। इस जीत के साथ भारत ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। टीम अपनी धरती पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी है। वह लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम भी बनी है। इसके अलावा भारत ने तीसरी बार आईसीसी टी20 खिताब अपने नाम किया है।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्ललंधन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में यदि अर्शदीप दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उनके खाते में एक या दो नकारात्मक अंक पॉइंट भी जोड़े जा सकते हैं। आईसीसी के नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के खाते में 24 महीनों के भीतर चार नकारात्मक अंक जमा हो जाते हैं, तो उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को एक टेस्ट मैच या दो सीमित ओवरों के मैचों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए मैदान पर अनुशासन बनाए रखना चाहिये। मैच खत्म होने के बाद अर्शदीप ने खेल भावना दिखाते हुए मिचेल से माफी मांग ली। मिचेल ने भी उनकी माफी स्वीकार कर ली, जिससे मामला मैदान पर शांत हो गया। इसके बावजूद आईसीसी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकता है।

संक्षिप्त

प्रिया सरोज ने रिंकू की प्रशंसा करते हुए लिखा भावनात्मक संदेश

लखनऊ। टी-20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल बल्लेबाज रिंकू सिंह के लिए पिछले कुछ दिन बेहद मुश्किल रहे। विश्वकप के दौरान ही रिंकू के पिता का निधन हो गया था। इसे बाद भी भी रिंकू देश के लिए खेलते रहे। पिता की अर्थी को कंधा देने और अंतिम संस्कार के बाद वह टीम के साथ जुड़ गये और अपनी जिम्मेदारी निभाई। रिंकू के इस जज्बे की सभी ने प्रशंसा की है। इसी बीच रिंकू की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज ने भी उनको लेकर एक भावनात्मक संदेश सोशल मीडिया पर साझा किया है। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल हुई थी। प्रिया सरोज ने सोशल मीडिया में लिखा, कुछ दिन स्याही से लिखे जाते हैं, लेकिन 8 मार्च जैसे दिन इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाते हैं। यह वह दिन है जब भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप जीतकर हर भारतीय के दिल को गर्व से भर दिया, एक ऐसा पल जिसे यह राष्ट्र पीढ़ियों तक याद रखेगा और मनाता रहेगा। उन्होंने इसमें रिंकू की मानसिक मजबूती के बारे में लिखा इस ऐतिहासिक जीत के बीच मैंने एक बेटे की ताकत भी देखी, जो अपने पिता, अपनी टीम और अपने देश के लिए डटकर खड़ा रहा। जीवन के सबसे कठिन पलों में भी मैदान पर उतरकर चैंपियन बनकर निकलना , यह एक अलग तरह के साहस की बात है।उन्होंने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी और रिंकू की ताकत की प्रशंसा की है। प्रिया ने लिखा टीम इंडिया और रिंकू आपको बधाई हो, जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि असली ताकत क्या होती है।गौरतलब है कि रिंकू ने कठिन हालातों से निकलकर घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल और भारतीय टीम में जगह बनायी। रिंकू की सफलता में पिता का बहुत बड़ा योगदान है। इस बात को रिंकू ने कई बार बताया है।

सिर में चोट के कारण तीसरे वनडे से बाहर हुई जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेटर केलिस न्धलोवु

एजेंसी, नई दिल्ली

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज केलिस न्धलोवु को कॉनकशन (सिर में चोट) के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच से बाहर कर दिया गया है। यह मुकाबला बुधवार को खेला जाना है। दूसरे वनडे के दौरान डुनेडिन में उन्हें गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद वह फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक बयान में बताया कि न्धलोवु कुछ समय के लिए बेहोश हो गई थीं और बाद में उन्हें कॉनकशन की पुष्टि हुई, हालांकि किसी प्रकार की गंभीर जटिलता सामने नहीं आई। बयान में कहा गया, "एमआरआई स्कैन से यह पुष्टि हुई कि खोपड़ी में किसी तरह का फ्रैक्चर नहीं है। उनका उपचार किया गया और बाद में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मंगलवार सुबह फॉलो-अप जांच में भी किसी अतिरिक्त जटिलता की पुष्टि नहीं हुई।" दूसरे वनडे के दौरान जिम्बाब्वे की पारी के सातवें ओवर में न्यूजीलैंड की गेंदबाज ब्री इलिंग की एक बाउंसर गेंद न्धलोवु के सिर पर लगी। उस समय वह मोडेस्टर मुपाचिक्वा के साथ 25 रन की ओपनिंग साझेदारी कर चुकी थीं। हेलमेट पहनने के बावजूद शॉर्ट गेंद से बचने की कोशिश में वह चोटिल हो गईं और तुरंत मैदान पर गिर पड़ीं। इसके बाद मेडिकल टीम ने मैदान पर उनका उपचार किया और एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। उनकी जगह कॉनकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में तेंदाई मकुशा को मैदान में उतारा गया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की ओर से एमेलिया केर ने सात विकेट लेकर टीम को वनडे श्रृंखला में 2-0 की बढ़त दिला दी।

एएफसी महिला एशियन कप से बाहर हुआ भारत, चीनी ताइपे ने 3-1 से हराया

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए ग्रुप-सी के अपने अंतिम मुकाबले में भारतीय महिला फुटबॉल टीम को चीनी ताइपे के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारत का एएफसी महिला एशियन कप 2026 में सफर समाप्त हो गया और टीम नॉकआउट चरण में जगह बनाने से चूक गई। भारतीय टीम के सामने क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। अगले दौर में जगह बनाने के लिए भारत को इस मैच में चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना जरूरी था, लेकिन टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी और जरूरी बढ़त हासिल नहीं कर सकी। मुकाबले की शुरुआत में ही चीनी ताइपे ने आक्रामक खेल दिखाया। टीम को 12वें मिनट में बढ़त मिल गई, जब वाई. एच. सु ने गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इस गोल के बाद भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन विपक्षी टीम की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के सामने उसे ज्यादा मौके नहीं मिले। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में भारत को बड़ा झटका लगा, जब भारतीय गोलकीपर एलांगबम पंथोई चानू से गलती हो गई और गेंद उनके हाथों से निकलकर अपने ही गोल में चली गई। इस आत्मघाती गोल के चलते चीनी ताइपे की बढ़त 2-0 हो गई और भारत की स्थिति और मुश्किल हो गई। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की और कुछ आक्रामक मूव बनाए। इसी दौरान फॉरवर्ड मनीषा कल्याण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लंबी दूरी से एक बेहतरीन फ्री-किक पर गोल दाग दिया। इस गोल से भारतीय टीम की उम्मीदें फिर से जगीं और स्कोर 2-1 हो गया। हालांकि मैच के अंतिम चरण में चीनी ताइपे ने एक और गोल कर भारत की वापसी की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। 77वें मिनट में वाई. सी. चेन ने गोल दागकर अपनी टीम की बढ़त 3-1 कर दी, जो अंत तक बरकरार रही। गौरतलब है कि इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में अपने शुरुआती मुकाबलों में वियतनाम और जापान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए चीनी ताइपे के खिलाफ दो गोल से जीत जरूरी थी, लेकिन टीम इस चुनौती को पार नहीं कर सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

» एयरस्पेस की उपलब्धता के आधार पर हुआ फैसला

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए। वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है। इस मामले में नाराजगी जताते हुए वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया में लिखा था, मैं बस घर जाना चाहता हूं। उनकी इन पोस्ट से भी कई लोगों का ध्यान इस समस्या पर गया है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के क्वींटन डीकोक ने भी नाराजगी जतायी थी।

बीसीसीआई भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये का इनाम देगी

» तीसरी बार टी20 विश्वकप जीतने पर बधाई भी दी

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार तीसरी बार विश्वकप जीता है उससे बोर्ड बेहद उत्साहित है और उसने टीम और सहयोगी स्टाफ के लिए अपना खजाना खोल दिया है। यह इनामी राशि आईसीसी की ओर से मिलने वाली लगभग 27.48 करोड़ रुपये की इनामी राशि के अतिरिक्त है।इस खिताबी जीत के साथ ही भारतीय टीम अपनी धरती पर ये ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बनी है। इसके लिए बोर्ड ने खिलाड़ियों के साथ ही सहयोगी स्टाफ और चयनकर्ताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उनकी सफलता की कामना की है। इस बार इनामी राशि में छह करोड़ बढ़ाये गये हैं। वहीं साल 2024 की विजेता टीम को 125 करोड़ रुपये मिले थे। यह राशि न केवल खिलाड़ियों में, बल्कि कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी सदस्यों के बीच भी बांटी गई थी। इसमें एक हिस्सा चयन समिति को भी मिलता है। भारतीय टीम ने मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती थी। तब बीसीसीआई ने 58 करोड़ रुपये का इनाम दिया था। बीसीसीआई की ओर से यह बड़ा इनाम टीम के लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए दिया जा रहा है। बोर्ड के अधिकारियों का मानना है कि घरेलू मैदान पर खिताब का बचाव करना एक बड़ी उपलब्धि है, इसलिए खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए यह राशि बढ़ाई गई है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट के सुपर आठ में प्रवेस के लिए संघर्ष करना पड़ा था पर एक बार जगह मिलते ही वह हावी हो गयी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता।

इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है।

दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुदंरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

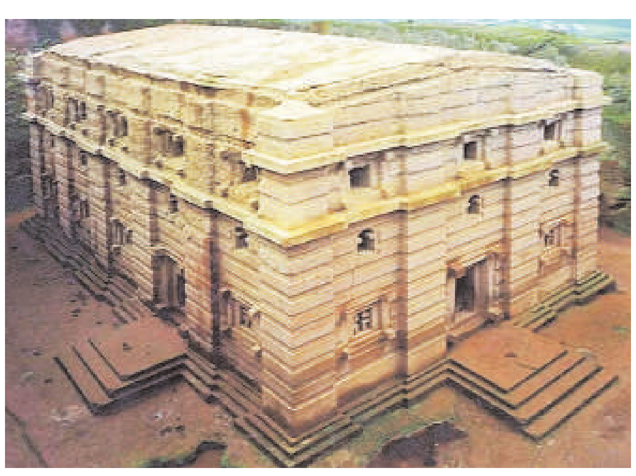

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

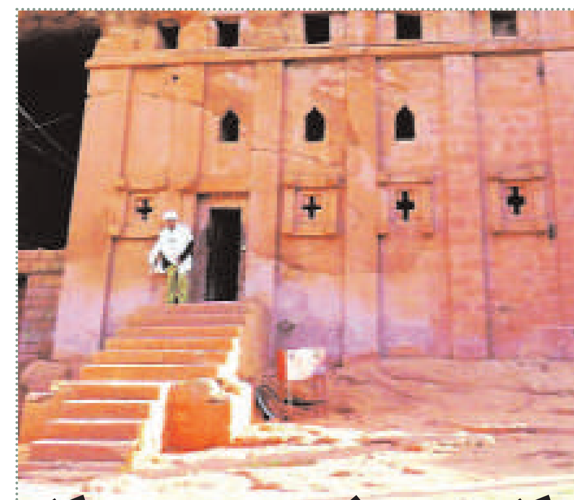

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

अली अब्बास जफर की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगे अहान पांडे

अहान पांडे ने पहली ही फिल्म से शानदार शुरुआत की। बीते साल आई 'सैयारा' ने जबर्दस्त कमाई की। डेब्यू फिल्म के बाद अहान अली अब्बास जफर की फिल्म में नजर आएंगे। इसमें वे एक्शन का दम दिखाएंगे और इसके लिए अपनी फिजीक पर बहुत मेहनत कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर 'सैयारा' के बाद अहान की दूसरी फिल्म के शूट को लेकर अपडेट सामने आया है।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

अली अब्बास जफर की फिल्म में अहान पांडे के अलावा शरवरी भी नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अहान इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में मुंबई में इस एक्शन रोमांस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अहान के साथ फिल्म की लीडिंग लेडी शरवरी भी शूटिंग शुरू करेंगी। टीम का प्लान है कि पहला शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने के बीच शूट किया जाए।

लंदन में करेंगे बड़े एक्शन सीन

फिलहाल अहान की इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है। इस फिल्म के लिए वे इंटेंस वर्कआउट सेशन कर रहे हैं। एक्टर को कई बार जिम के बाहर फैंस से मिलते हुए देखा गया है और इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। कहा जा रहा है कि अहान पांडे स्टारर इस फिल्म में जबर्दस्त एक्शन शेड्यूल है। लंदन में शूटिंग मई 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जहां अहान पांच दिनों में एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे।

कब रिलीज हो सकती है फिल्म?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहान पांडे अली अब्बास जफर निर्देशित इस फिल्म में अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। इसमें फाइट की इंटेंस प्रैक्टिस और हथियार चलाने की ट्रेनिंग शामिल है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह अपने रोमांटिक डेब्यू के मुकाबले बिल्कुल नए और अलग एक्शन वाले अवतार में दिखेंगे। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग जुलाई 2026 तक पूरी करने की तैयारी है और इसे अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान है।

एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'वृषकर्मा' में आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं मीनाक्षी चौधरी

राक्षसी शक्ति का नाश करते नजर आएंगे नागा चैतन्य

एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म 'वृषकर्मा' की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं।

इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है। जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

फिल्म 'वृषकर्मा' के बारे में

'वृषकर्मा' एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्माजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं। ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।'

बॉडी फिगर की वजह से आयशा खान ने किया रिजेक्शन का सामना

फिल्म अभिनेत्री आयशा खान ने अपने बॉडी शेमिंग और उन्हें सोशल मीडिया पर मिलने वाली दुष्कर्म की धमकियों के बारे में अपना दुख बयां किया। एक्ट्रेस ने इससे जुड़े अपने कड़वे अनुभव को भी साझा किया।

अभिनेत्री आयशा खान, आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के गाने शरारत में नजर आई थीं। उन्होनें याद करते हुए बताया कि, जब वो बारहवीं कक्षा में थीं तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड की भूमिका निभाने का मौका मिला था। मगर शूटिंग से सिर्फ एक रात पहले उन्हें रोल के लिए ओवर वेट होने कारण हटा दिया गया। आगे 'वी द वुमन' कार्यक्रम में आयशा ने कहा कि उन्हें इससे उभरकर अपने लुक को लेकर आत्मविश्वास महसूस करने में काफी वक्त लगा। एक्ट्रेस आयशा खान ने कहा कि, ' सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर के लेकर अभद्र कमेंट्स का सामना करना होता है। एक साधारण सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के रिएक्शन का डर रहता है। स्कर्ट भी पहनती हूं तो लोगों को बुरा लगता है। इस वजह से अब कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है कि लोग इसे किस तरह से देखेगें। इन सब की वजह से मुझे काफी डर भी लगता है कि पता नहीं वो मेरे साथ क्या करना चाहते हैं। मनचाहा पोस्ट करने पर मेरा कमेंट सेक्शन पढ़ने का मन भी नहीं करता। क्योंकि उसमें वो लिखते हैं कि उन्हें मौका मिले तो वह मेरे साथ क्या करना चाहते हैं।

हर दिन मिलती हैं दुष्कर्म की धमकियां

शरारत फेम आयशा खान ने अपने उत्पीड़न के बारे में बताया कि, 'अगर इन धमकियां देने वालों में इतनी ताकत होती तो वह रेपिस्ट ही बन जाते। यह सिर्फ मामूली टिप्पणियां नहीं हैं। मुझे हर रोज ऐसी धमकियां मिलती हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि इन सब पर कड़ी कार्यवाही की जा सके। मगर में यह सोचती हूं कि अगर में सेलिब्रिटी न होती तो शायद ये धमकियां सच्चाई बन जातीं।

टीवी से की थी शुरूआत

आयशा खान ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयी थीं। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

'बैटल ऑफ गलवां' के बाद एक्शन फिल्म में नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान ने 'बैटल ऑफ गलवां' फिल्म की शूटिंग के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन कर ली है। यह फिल्म एक बड़ा बजट वाली एक्शन थ्रिलर है। इसे तेलुगु के मशहूर प्रोड्यूसर दिल राजू बनाएंगे। निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे, जो नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं और थलपति विजय की फिल्म 'वरिसु' के डायरेक्टर हैं। सलमान को वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। फिल्म में ढेर सारा एक्शन होगा और साथ ही मजबूत इमोशनल कहानी भी है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े सितारे काम कर सकते हैं। अभी हीरोइन का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन एक जानी-मानी अभिनेत्री से बात चल रही है। सलमान अभी अपूर्वा लखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 2020 के गलवान घाटी युद्ध पर आधारित है।

मुख्य भूमिका में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

इस फिल्म में सलमान के साथ मुख्य भूमिका में चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। यह अप्रैल 2026 पर रिलीज हो सकती है।

'बैटल ऑफ गलवां' पूरी होने के बाद, सलमान अप्रैल 2026 से नई फिल्म (दिल राजू वाली) की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा सलमान जल्द ही राज एंड डीके की एक सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं। सलमान के फैंस उनकी पिछली फिल्म 'सिकंदर' के फ्लॉप होने के बाद अब नई हिट का इंतजार कर रहे हैं।

नेपोटिज्म पर सैफ अली खान ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अक्सर ही बहस छिड़ी रहती है। आउटसाइडर इसको लेकर इल्जाम लगाते रहते हैं। जबकि स्टारकिड अपना पक्ष भी रखते रहते हैं। अभिनेता सैफ अली खान भी एक स्टारकिड हैं और उनके दो बच्चे इब्राहिम अली खान और सारा अली खान भी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। अब सैफ ने इस बारे में बात की। उनका मानना है कि पारिवारिक संबंधों के कारण उन्हें जो अवसर मिले हैं, वे उन लोगों की तुलना में बेहद अन्यायपूर्ण हैं, जिन्हें ये प्रिवलेज नहीं हैं।

स्टारकिड्स प्रिवलेज्ड हैं

अपनी बहन सोहा अली खान के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सैफ अली खान ने कहा कि भाग्यशाली लोगों और गुमनाम, दुर्भाग्यशाली लोगों में बहुत बड़ा अंतर होता है, जिन्हें पहचान बनाने के बहुत कम मौके मिलते हैं। इसीलिए यह देखना अद्भुत है कि कोई गिटारिस्ट, म्यूजिक डायरेक्टर या अभिनेता बनकर बिना किसी गॉडफादर या मशहूर माता-पिता के सहारे जमीनी स्तर से सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। माता-पिता की लोकप्रियता के कारण हमें जो सफलता मिलती है, वह बेहद अन्यायपूर्ण है और हमारे लिए एक प्रिवलेज है। नेपोटिज्म पर मेरा यही नजरिया है।

लोग तब उठाते हैं सवाल

बातचीत के दौरान सैफ ने आगे कहा कि जब आप अपने काम में माहिर हो जाते हैं, तो दर्शक संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन समस्या तब आती है जब आपको बार-बार मौके मिलते हैं और आप अपने काम में बिल्कुल बेकार होते हैं। तब लोग कहते हैं, 'अरे, ये क्या हो रहा है? किसी को मौका नहीं मिल रहा और उस व्यक्ति को बार-बार मौका मिल रहा है। मुझे लगता है, ये बहुत गलत है।

मदद करने की सीमा होती है

इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुके अपने बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के बारे में भी सैफ ने बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मदद करने की भी एक सीमा होती है। मैं निश्चित रूप से अपने सभी बच्चों का समर्थन करूंगा, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। मैं इब्राहिम से भी कहता हूं। मेरा मतलब है कि मुझे नहीं पता कि इस समय मुझे तुम्हारे साथ खड़े होकर तुम्हारा हाथ थामना चाहिए या नहीं, क्योंकि तुम पहले ही अपनी हैसियत की वजह से बहुत कुछ हासिल कर चुके हो। इसलिए तुम्हें ये सब खुद करना होगा।

इब्राहिम की एक्टिंग की हुई थी आलोचना

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान ने पिछले साल फिल्म 'नादानियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसके बाद ओटीटी पर ही उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' भी आई थी। हालांकि, इन दोनों फिल्मों में उनकी एक्टिंग की काफी आलोचना हुई थी। अब अगली बार इब्राहिम 'दिलर' में नजर आएंगे, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं सैफ अली खान की पाइपलाइन में 'हैवान' शामिल है, इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे।